रोहतक
रविवार 12 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 158
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम हरियाणा
अधि. 39.0°C
न्यून. 23.5°C

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

9

फीफा विश्व कप: मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में पहुंचा स्पेन

Registration No.: HRERA-PKL-SNP-548-2024 Dated: 23.02.2024
https://haryanarera.gov.in/view_project/searchprojectDetail/2738
Project: Elite Homes+02 Home | Developer: Y.P. Infratech Pvt. Ltd.

दीन दयाल जन आवास योजना

DEEN DAYAL AFFORDABLE PLOTS

(Under Deen Dayal Jan Awas Yojna 2016, Govt. of Haryana)

RERA APPROVED

फ्री होल्ड आवासीय प्लॉट

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Affordable Plots सेक्टर-24, सोनीपत, हरियाणा में दीन दयाल जन आवास योजना के तहत आवासीय भूखंड (हरियाणा सरकार की अफोर्डेबल रेज़िडेन्सियल प्लॉटेड कॉलोनी DDJAY-2016 के तहत) पंजीकरण के लिए खुली हैं। विवरण वेबसाइट www.deendayalaffordableplots.com पर उपलब्ध है।

PROJECT LOCATION: SECTOR-24, SONIPAT, HARYANA

शुरूआती मूल्य	आवेदन की अंतिम तिथि	आवंटन की तिथि
₹ 1 Crore	12-07-2026	14-07-2026

आवेदन करने के लिए भुगतान (100% रिफंडेबल) ₹ 21,000 मात्र

Area in (Sq.Yd.)	Area in (Sq.Mtr.)	Rate per (Sq.Yd.)	Registration Amount	10% Within 5 Days	40% Within 30 Days (Bank Loan Available*)	50% on Offer of Possession (Bank Loan Available*)	Total Cost*
143.423	119.9189	₹ 70,000	₹ 21,000	₹ 9,82,961	₹ 40,15,844	₹ 50,19,805	₹ 1,00,39,610
157.116	131	₹ 70,000	₹ 21,000	₹ 10,78,812	₹ 43,99,248	₹ 54,99,060	₹ 1,09,98,120
172.267	144.036	₹ 70,000	₹ 21,000	₹ 11,84,869	₹ 48,23,476	₹ 60,29,345	₹ 1,20,58,690

*PLC & Govt. Charges as Applicable

Registration of builder buyer agreement is mandatory after making a total payment of 10%

1 Sq. Mtr. = 1.196 Sq. Yd.

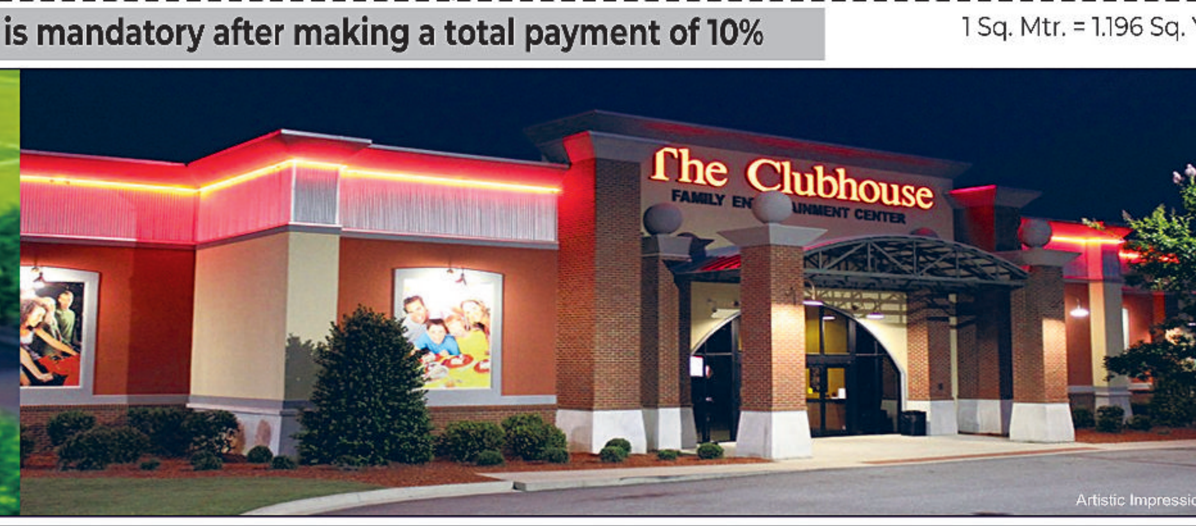

CONNECTIVITY

INDUSTRIAL HUB

EDUCATIONAL HUB

- Gated Community
- Commercial Area
- Restaurant
- CCTV Surveillance
- Green Park
- Kids Play Area
- Club House
- Mandir

LOCATION ADVANTAGE

- Delhi 10 Mins.
- Market 2 Mins.
- College / University 10 Mins.
- Hospital 5 Mins.
- School 2 Mins.
- Gurugram 50 Mins.
- IGI Airport 40 Mins.
- Right Opposite to HUDA's Fully Developed Residential Sector

Loan Available from Leading Banks

हेल्पलाइन नं. : +91-98910 75075

Register Online: www.deendayalaffordableplots.com

Scan to Apply

Disclaimer: All images and visuals are artistic impressions used solely for representational purposes. This advertisement does not constitute a legal offer or commitment. Project specifications, features, layouts, and timelines are subject to change without prior notice at the discretion of the developer or due to regulatory requirements. Travel times mentioned are approximate and may vary depending on traffic and local conditions. Terms & Conditions apply.

खबर संक्षेप

महिला आरक्षण विधेयक लागू करवाने की मांग

चंडीगढ़। महिला आरक्षण विधेयक को मानसून सत्र में लागू करवाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का प्रतिनिधिमंडल विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा से मिला। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान, राज्य महासचिव उषा सरोहा, कोषाध्यक्ष अमिता मलिक, पूर्व महासचिव राजकुमारी दहिया, रोहतक जिला सह सचिव मुनमुन हजारिका और पूनम नेहरा शामिल रही। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। संसद में 13 % और विधानसभाओं में केवल 9 % है जबकि अन्य देशों जैसे क्यूबा, मैक्सिको, रवांडा, निकारागुआ, बोलीविया, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों में महिलाओं का प्रतिनिधत्व 50 % से भी ज्यादा है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर बिल्डर की गाड़ी सीज

पंचकूला। ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना और सड़कों पर रसूख दिखाने वाले चालकों के खिलाफ पंचकूला पुलिस बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है। इसी कड़ी में पंचकूला पुलिस ने 10 जुलाई को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से सायरन और लाल-नीली बत्ती लगाकर घूम रहे एक बिल्डर की लग्जरी इनोवा हाईक्रॉस कार को भारी-भरकम जुर्माने के साथ सीज कर दिया है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की एक टीम सेक्टर-9 में गश्त पर तैनात थी, जिसकी अगुवाई एएसआई मनोज कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक इनोवा कार से तेज सायरन की आवाज सुनाई दी। शक होने पर जब पुलिस टीम ने कार को रुकवाकर जांच की, तो उसमें अवैध रूप से रेड-ब्लू लाइट भी लगी पाई गई।

एल्विश यादव के घर फायरिंग मामले में रोहतक का युवक काबू

गुरुग्राम। सेक्टर-57 स्थित चर्चित यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर पिछले वर्ष हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी एल्विश यादव का पूर्व बिजनेस पार्टनर था और वित्तीय विवाद के चलते उसने वारदात की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त 2025 की सुबह करीब 5.25 बजे बाइक सवार तीन बदमाशों ने सेक्टर-57 स्थित एल्विश यादव के घर के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर कई राउंड फायरिंग की थी। सूचना मिलते ही सेक्टर-56 थाना पुलिस और ईआरवी टीम मौके पर पहुंची। अब मामले की जांच कर रही सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच ने 10 जुलाई 2026 को रोहतक के सेक्टर-34 सनसिटी निवासी 31 वर्षीय भविष्य दहिया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह एल्विश यादव का बिजनेस पार्टनर रह चुका है। दोनों के बीच वित्तीय लेन-देन को लेकर विवाद था, जिसके बाद उसने एक अन्य आरोपी के साथ मिलकर साजिश रची।

मुख्यमंत्री नायब बोले- ड्रग तस्करों पर कार्रवाई के लिए टास्क फोर्स बनेगी

नशे के खिलाफ जन-जागरण की मुहिम पंचकूला से 'हरियाणा उदय' अभियान शुरू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि समाज, परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है। सरकार कानून बनाकर और पुलिस कार्रवाई कर नशे के कारोबार पर अंकुश लगा सकती है, लेकिन इस बुराई का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब पूरा समाज इसके विरुद्ध एकजुट होकर जन-आंदोलन खड़ा करे। उन्होंने कहा कि 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत सामुदायिक पुलिसिंग और जन-सहभागिता को मजबूत करते हुए प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत 'नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों को नशा विरुद्ध शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे की तस्करी पर लगाम कसने के लिए टास्क फोर्स बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर देश आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है, युवा नशे से मुक्त होकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएंगे।

नशा पीड़ित को अवसर, विश्वास और अपनापन देना भी समाज की जिम्मेदारी

किसी भी व्यक्ति को जीवनभर के लिए नशे का आदी मान लेना उचित नहीं है। ऐसे लोगों को समाज से अलग करने के बजाय उन्हें दोबारा सामान्य जीवन में लौटने का अवसर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को विश्वास, अपनापन और सकारात्मक वातावरण मिले तो उसके जीवन में परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि प्रेम और अपनापन ऐसी शक्ति है, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति के जीवन को नई दिशा दे सकता है। इसलिए समाज का प्रत्येक वर्ग नशे की गिरफ्त में आए लोगों के पुनर्वास और मुख्यधारा में लौटने के प्रयासों में भी सक्रिय भागीदारी निभाए।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा

- राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में बोले नायब सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित हरियाणा डिजिटल कवच पहल के अनुरूप राज्य में साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में हरियाणा सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। इसी क्रम में सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग (डाइटेक) तथा सिटिजन रिसोर्सेज इन्फॉर्मेशन डिपार्टमेंट (सीआरआईडी) ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी), भारत सरकार के सहयोग से राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ बनाने विषय पर चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डाइटेक के निदेशक समवर्तक सिंह खांगवाल ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के तेजी से विस्तार के साथ साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं रह गई है, बल्कि सुशासन और प्रभावी नागरिक सेवाओं का अभिन्न आधार बन चुकी है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जलभराव रोकने के लिए अलर्ट रहें अधिकारी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानसून के मद्देनजर प्रदेशभर में जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम तथा संभावित बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की शुक्रवार देर रात व्यापक समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों, मंडलायुक्तों तथा सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, प्रदेश में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में जल निकासी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करें तथा फील्ड स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

एसआईआर में बाधा डालने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

- ऐलनाबाद में बीएलओ से मारपीट मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे : श्रीनिवास

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों व निर्वाचन कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण किया जा रहा है। ऐसे में सभी मतदाता कार्य के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों से पूरा सहयोग करें। निर्वाचन कार्य में बाधा डालने अथवा सरकारी कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता एवं कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयास को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता एवं मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 14 जुलाई तक गणना प्रपत्र जमा करवाने की आखिरी तारीख है। ऐसे में सभी मतदाता समय रहते अपना एसआईआर फॉर्म बीएलओ के पास जमा करवाएं। दरअसल, 10 जुलाई को ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-73, गांव नाथूसरी चौपटा में निर्वाचन कार्य के दौरान ड्यूटी पर तैनात बीएलओ एवं उनके सहायक के साथ कुछ व्यक्तियों द्वारा अभद्र व्यवहार करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला संज्ञान में आया। मामले में कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का कर रही विस्तार : आरती

- 1000 डॉक्टरों की भर्ती की गई

चंडीगढ़। प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को भिवानी में महम रोड पर स्थित जगन्नाथ सर्राफ वेलनेस सेंटर एवं हरियाणा योग प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित फिजियोथैरेपी सेंटर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रदेश को और अधिक बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 17 जुलाई को जींद से भिवानी और महेंद्रगढ़ जिला के कोरियावास को नए मेडिकल कॉलेज की सौगात देंगे, जो स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। यह योग दिवस स्वास्थ्य रहने के लिए प्रकृति की गोद में जाने का एक संदेश है। नियमित रूप से योगासन प्राणायाम कर हम स्वस्थ रह सकते हैं और बुजुर्ग अवस्था में आने वाली सामान्य बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब पौने दो साल के दौरान प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं में निरंतर विस्तार किया है। प्रदेश में 1100 चिकित्सकों की भर्ती की गई है।

नीट अभ्यर्थियों के समर्थन में कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

- पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय दत्त व प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने की अगुवाई
- केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप जड़ा

चंडीगढ़। हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी संजय दत्त तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को पंचकूला के सेक्टर-26 स्थित कम्युनिटी सेंटर से अंबेडकर चौक तक नीट पेपर लीक प्रकरण के कारण अपनी जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप कैंडल मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों ने इसमें हिस्सा लेते हुए दिवंगत छात्रों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

शराब के लिए क्यूआर कोड-आधारित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली का शुभारंभ

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को राज्य के आबकारी प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए संशोधित ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली और ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की शुरुआत की है। इन नई पहलों का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से पारदर्शिता को मजबूत करना, नियामक निरीक्षण में सुधार लाना, सरकारी राजस्व को सुरक्षित करना और व्यापार करने की सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग के विज़न -2047 की भी समीक्षा की। उन्होंने विभाग से संबंधित सीएम-अनाउंसमेंट तथा संकल्प-पत्र की घोषणाओं की भी प्रगति रिपोर्ट ली। मुख्यमंत्री ने शराब के लिए क्यूआर कोड-आधारित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली का एक उन्नत संस्करण पेश किया है। इस प्रणाली के तहत डिस्टिलरी और बॉटलिंग से लेकर थोक और खुदरा बिक्री तक, शराब की हर बोतल की विजिट पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और उसकी विशिष्ट पहचान की जा सकेगी।

बिजली का निजीकरण होगा या नहीं एचईआरसी कमेटी रिपोर्ट का इंतजार

- तीन सदस्यीय कमेटी 15 दिन के भीतर आयोग को देगी रिपोर्ट
- विज बोले- सरकार गुरुग्राम व नूंह की बिजली सप्लाई निजी हाथों में देने के पक्ष में नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम राजस्व जिलों में बिजली वितरण के निजीकरण को लेकर जारी चर्चाओं के बीच ऊर्जा, श्रम एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार निजीकरण के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (एचईआरसी) एक स्वायत्त संस्था है, जिसने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। अनिल विज ने कहा कि सरकार बिजली निगमों और कर्मचारियों के हितों को लेकर गंभीर है। उन्होंने दोहराया कि सरकार पहले भी निजीकरण के पक्ष में नहीं होने की बात कह चुकी है। दूसरी ओर, बिजली कर्मचारी संगठन भी प्रस्तावित व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं। एचईआरसी ने इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड की समांतर वितरण लाइसेंस याचिका की जांच के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आलोक निगम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति बनाई है। समिति में इंजीनियर रविंदर शर्मा और बिभु प्रसाद महापात्रा सदस्य हैं। समिति 13 जुलाई से कार्य शुरू करेगी और 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी। आयोग के अनुसार, प्रस्तावित निवेश के आकार और बिजली क्षेत्र, उपभोक्ताओं तथा नियामक व्यवस्था पर इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव को देखते हुए स्वतंत्र विशेषज्ञों से मूल्यांकन कराने का निर्णय लिया गया है।

बिजली का पैरलल लाइसेंस निजीकरण की साजिश : हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को गुरुग्राम और नूंह जैसे राजस्व जिलों की बिजली वितरण के लिए समांतर लाइसेंस देना निजीकरण की दिशा में घातक कदम साबित होगा। इसलिए तमाम लोग इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी भी जनहित में इसका विरोध करती है। ये फैसला वापिस हो। कर्मचारी संगठनों ने इस बारे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बातचीत मे बताया कि निजी कंपनी के हितों को ध्यान में रखते हुए 15 अगस्त को कृषि उपभोक्ताओं के लिए एग्री डिस्कॉम को अलग किया जा रहा है। ताकि प्राइवेट कंपनी को किसानों को बिजली आपूर्ति ना करना पड़े, क्योंकि किसानों को सब्सिडी मिलती है। वैसे भी डीएचबीवीएन के कुल राजस्व का लगभग एक-तिहाई राजस्व गुरुग्राम से ही प्राप्त होता है।

हरियाणा सरकार

धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम
हरियाणा की दस्तावेज़ी विरासत से सीखने का अवसर

हरियाणा राज्य अभिलेखागार विभाग राज्य की प्रशासनिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अभिलेखीय धरोहर के संरक्षण, प्रबंधन और अध्ययन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इसी उद्देश्य से विभाग द्वारा धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आम नागरिकों को अभिलेखीय कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल विकास एवं धरोहर जागरूकता को प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम का सारांश

पाठ्यक्रम / विषय	पात्रता मानदंड	अवधि
इतिहास	डिप्लोमा धारक, स्नातक (द्वितीय वर्ष से), स्नातकोत्तर, शोधार्थी	1 माह
अभिलेख विज्ञान	इतिहास, धरोहर, पुरातन विषयों में रुचि रखने वाले, न्यूनतम स्नातक	
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	विदेशी नागरिक (उपयुक्त शैक्षणिक दस्तावेज़ सहित)	
अन्य सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषय	मान्यता प्राप्त संस्थान या प्रासंगिक पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थी	

नोट : इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन करते समय अनिवार्य दस्तावेज़ जैसे सीवी, उद्देश्य विवरण (Statement of Purpose) तथा अन्य सहायक दस्तावेज़ के साथ रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें।

मुख्य विशेषताएं :

- हरियाणा की अभिलेखीय धरोहर व दस्तावेज़ों से जुड़ने का अवसर
- संरक्षण, अभिलेखीकरण व डिजिटलीकरण की व्यावहारिक समझ
- शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल विकास का उत्कृष्ट माध्यम

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
www.haryanaarchives.gov.in archives@hry.nic.in 0172-2992112

सोशल मीडिया पर जुड़ने के लिए क्यू. आर. कोड स्कैन करें

रजिस्टर करने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें

अभिलेखागार विभाग, हरियाणा

(अभिलेखागार विभाग, सिंचाई भवन, बी-ब्लॉक, चौथी मंजिल, सैक्टर-5, पंचकूला द्वारा जनहित में जारी)

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

रोहतक

रविवार 12 जुलाई 2026

आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 158
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम हरियाणा
अधि. 39.0°C
न्यून. 23.5°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

9 तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

खबर संक्षेप

मेटा पर 133 लाख करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका में मेटा पर 133 लाख करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाने की मांग उठी है। अमेरिका के चार राज्य कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी ने यह मांग की है।

मेटा पर युवाओं को सोशल मीडिया की लत लगाने का आरोप है। मेटा पर भारी जुर्माना लगाने की मांग की गई है, जबकि मेटा कि कुल बाजार कीमत भी लगभग 143 लाख करोड़ रुपये है। मामले में अगली सुनवाई अगस्त में कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में शुरू होगी। कंपनी पर प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भी लोगों को गलत जानकारी देने का आरोप है। *एजेंसी*

आतंकी कांडू के खिलाफ इंटरपोल नोटिस जारी

श्रीनगर। आतंकवाद के खिलाफ जंग में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) कश्मीर को बड़ी सफलता मिली है। एसआईए ने हिजबुल

मुजाहिदीन के नामित आतंकी इम्तियाज अहमद कांडू उर्फ फयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा लिया है। यह नोटिस 2013 में हुए तरजू, हाइगाम आतंकी हमले के मामले में जारी किया गया है। अब इस नोटिस के बाद अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपी को ढूंढकर, हिरासत में लेकर भारत प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी। *एजेंसी*

वियतनाम में बोट पलटी 15 भारतीयों की मौत

- 32 भारतीय सवार थे, 21 को बचा लिया गया
- 10 तमिलनाडु, 3 आंध्र प्रदेश और 2 केरलम् के पर्यटक
- समुद्र की ऊंची लहरें बनीं हादसे की वजह
- टूरिस्ट लाइफ जैकेट नहीं पहने हुए थे
- नाव पलटी तो टूरिस्ट नाव के नीचे फंस गए

एजेंसी ▶▶| हनोई

वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को बोट पलट गई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इनमें से 32 भारतीय थे। 15 भारतीयों की मौत हो गई। ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक थे। बोट पर कुल 4 क्रू मेंबर्स समेत 36 लोग सवार थे। 21 लोगों को बचा लिया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हादसा सुबह 10:30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की वजह समुद्र की ऊंची लहरें हो सकती हैं। जो वीडियो सामने आए, उनमें लहरें उठती दिख रही हैं। बताया जा रहा है कि टूरिस्ट लाइफ जैकेट नहीं पहने हुए थे। नाव जब पलटी तो टूरिस्ट नाव के नीचे फंस गए।

फु क्वोक द्वीप से रवाना हुई थी नाव

बोट भारतीय पर्यटकों को फु क्वोक द्वीप के पास स्थित 'होन मे रुट' से न्गोआई द्वीप घुमाने ले जा रही थी, लेकिन यह तट से लगभग 400 मीटर पहले ही पलट गई। न्गोआई द्वीप अपने साफ समुद्र, छोटे बीच और कोरल रीफ डाइविंग के लिए मशहूर है। यहां पहुंचने के लिए पर्यटक आमतौर पर एन थोई बंदरगाह से बोट या स्पीडबोट किराये पर लेते हैं।

हेल्पलाइन नंबर जारी कंट्रोल रूम बनाया

इंडियन एंबेसी ने बताया कि यात्रियों की मदद के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। इससे संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नंबर +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414 जारी किए गए हैं। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने बोट में सवार भारतीयों के नाम जारी किए हैं। इसमें 2 महिलाएं भी शामिल है।

हादसे पर राष्ट्रपति व पीएम ने दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत का दूतावास और वाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद पहुंचा रहे हैं। भारतीय अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि इस हादसे से वह बेहद दुखी हैं। राष्ट्रपति ने परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला, सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा

खातों से जुड़े फर्जी लेनदेन को सुगम बनाने में भूमिका

अधिकारियों की विदेश यात्राओं का खर्च उठाता था ऋभव ऋषि

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के पैसे की बंदरबांट करने के बहुचर्चित करोड़ों के घोटाले का मामला थामे नहीं थम रहा है। सीबीआई टीम लगातार मामले में जहां कई आरोपितों की संपत्ति अटैच कर चुकी है। वहीं दूसरी तरफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का आरोप है कि मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल ऋभव ऋषि ने सरकार के अधिकारी नरेश कुमार की देश-विदेश यात्राओं, होटल में ठहरने का खर्च उठाया इतना ही नहीं कथित तौर पर रिश्वत के तौर पर नकदी भी दी। जिसके बदले नरेश कुमार ने कथित तौर पर घोटाले को अंजाम देने में उसकी मदद की। पूरे मामले में हरिभूमि ने पहले भी लिखा था कि छोटे छोटे लालचों के जरिये किस तरह से बिचौलियों ने बड़े बड़े अफसरों को जाल में फंसा लिया। जानकारी अनुसार हरियाणा विकास एवं पंचायत विभाग में अधीक्षक के पद पर तैनात रहे नरेश को मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रक्रिया का पालन किए बिना बैंक खाते खोले

सीबीआई सूत्रों का कहना है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा के शाखा प्रबंधक रहे ऋभव ऋषि ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के बैंक खाते खोले। सीबीआई का आरोप है कि बैंकों में फर्जी खाते संबंधी दस्तावेज, जाली चेक बुक और हस्ताक्षरित बैंकिंग दस्तावेज जमा कराए गए, इसके आधार पर अनधिकृत वित्तीय लेनदेन किए गए।

सीबीआई की चार्जशीट में लगाए गए आरोप

पंचकूला की अदालत में दाखिल चार्जशीट में सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नरेश ने पंचायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और ऋभव ऋषि के बीच सक्रिय मध्यस्थ की भूमिका निभाई। उन्होंने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के खातों से जुड़े कथित फर्जी लेनदेन को सुगम बनाने में सहयोग किया।

ट्राई ने ड्राफ्ट पेश किया, मांगे सुझाव

बिना डेटा वाले मोबाइल रिचार्ज प्लान हो सकते हैं सस्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिना डेटा वाले मोबाइल रीचार्ज प्लान सस्ते हो सकते हैं। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) इस पर काम कर रहा है। ट्राई ने 'दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण विनियम, 2026' का नया मसौदा जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य है- 'डेटा नहीं चाहिए, तो उसका पैसा क्यों दें?' ट्राई ने इस पर सभी पक्षों से सुझाव मांगे हैं, फिर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। अभी कंपनियां सीमित समय के लिए ही 'केवल कॉल-एसएमएस' पैक देती हैं। इससे कई ग्राहकों को मजबूरी में डेटा वाला महंगा प्लान लेना पड़ता है। अब ट्राई ने प्रस्ताव दिया है कि कंपनियां जितने दिनों की वैधता जैसे 7, 28, 56 या 84 दिन का डेटा वाला प्लान लाती हैं, उतनी ही अवधि का 'केवल कॉल व एसएमएस' वाला प्लान भी लाना होगा। चूंकि मोबाइल प्लान्स में 50-70% खर्च डेटा का होता है, इसलिए नया नियम लागू होने पर सिर्फ कॉल-एसएमएस वाले प्लान की कीमत आधी से भी कम हो सकती है।

70% तक घट सकती हैं कीमतें

163 यात्री सवार थे, बाल-बाल बचे

लखनऊ में दुबई की फ्लाइट से पक्षी टकराया, लैंडिंग कराई

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में शनिवार सुबह 7:13 बजे फ्लाई दुबई के विमान की लैंडिंग कराई गई। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकरा गया। पायलट ने सूझबूझ से विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई। विमान में सवार सभी 163 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित उतारा। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, दुबई से लखनऊ आ रही फ्लाइट एफडी-443 को सुबह 6:35 बजे लखनऊ आनी थी। खराब मौसम की वजह से विमान करीब 38 मिनट लेट था। एयरपोर्ट के पास पहुंचने पर विमान बर्ड हिट का शिकार हो गया। पायलट ने लैंडिंग के लिए तुरंत क्लियर रनवे की मांग की। एयरपोर्ट अथॉरिटी तुरंत हरकत में आई और फ्लाइट के लिए रनवे खाली कराया। लैंडिंग के बाद विमान को रनवे से हटाकर पार्किंग बे में खड़ा कर दिया गया, जहां उसकी विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है।

विमान की तकनीकी जांच जारी

JAYPEE UNIVERSITY OF INFORMATION TECHNOLOGY
WAKNAGHAT, SOLAN, HIMACHAL PRADESH, INDIA
UGC Approved | NAAC & NBA Accredited | NIRF Ranked

INNOVATION RISING FROM THE HIMALAYAS
WHERE IDEAS TRANSFORM INTO GLOBAL SOLUTIONS
At JUIT, we nurture curiosity, fuel innovation and drive research that creates impact for society and the world.

93 FUNDED RESEARCH PROJECTS
52 PATENTS GRANTED (29 UTILITY + 23 DESIGN)
70 PATENTS PUBLISHED
GLOBAL RESEARCH COLLABORATIONS
NAAC ACCREDITED GRADE A+
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2026
THE WEEK

Limited seats available, Apply now.

Ramanujan Universe- A High Performance Super Computer
Digital Learning Centre (DLC)
VLSI Fabrication & Characterization Lab
Apple Lab
Drobotics Lab

RESEARCH & INNOVATION ECOSYSTEM
ARTIFICIAL INTELLIGENCE & DATA SCIENCE
Building intelligent systems for a smarter tomorrow
ROBOTICS, IoT & CYBER SECURITY
Engineering secure, connected and autonomous solutions
BIOTECHNOLOGY & BIOINFORMATICS
Pioneering research in genomics, computational biology, drug discovery etc
HEALTHCARE & BIOMEDICAL RESEARCH
Advancing research in Alzheimer's, Cancer, Diabetes and other critical diseases
SUSTAINABILITY & GREEN TECHNOLOGIES
Innovating for a cleaner, greener and sustainable planet through nanotechnology
ENTREPRENEURSHIP & INNOVATION
From ideas to startups – building tomorrow's leaders

OUR PROGRAMS
BTech · BBA · BCA · BSc · MTech · MBA · MSc · PhD

STUDENT EXCHANGE PROGRAM
Students have the option to study one Semester at JIIT, Noida with Credit Transfer

Join Us
7807868400/8600
admissions@juitsolan.in
https://www.juit.ac.in
Waknaghat, Solan, Himachal Pradesh-173234

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीज़न्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेजी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ़ाउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

धीरूभाई अंबानी ने एक बार कहा था, ₹जो लोग सपने देखने की हिम्मत करते हैं, उनके लिए जीतने के लिए पूरी दुनिया होती है।₹ और परिवार में जिस व्यक्ति ने बड़े और सबके साथ मिलकर आगे बढ़ने वाले सपने देखे हैं, वे उनकी बहू नीता अंबानी हैं। रिलायंस फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन के तौर पर, वह ऐसे संस्थान बनाने पर ध्यान देती हैं जो बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी लाते हैं, और साथ ही सबके साथ मिलकर विकास (इनक्लूसिव ग्रोथ) के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

शुरुआत से ही, फ़ाउंडेशन ने अपनी सामाजिक पहलों के जरिए 9.7 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी को छुआ है। अकेले FY26 में, इसने सीएसआर प्रोग्राम पर 2,248 करोड़ रू. खर्च किए, जो पिछले साल के 2,156 रू. करोड़ से ज़्यादा है। आगे की बात करें तो, अंबानी ने 2035 तक फ़ाउंडेशन के सामाजिक प्रभाव को पाँच गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई में 2,000 बिस्तरों वाले मेडिकल सिटी के साथ जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज बनाना भी शामिल है। 'वंतारा' में, वह दुनिया की पहली वाइल्डलाइफ़ यूनिवर्सिटी बनाने का सपना देखती हैं। "आने वाले सालों में हम जो हासिल कर सकते हैं, उसे लेकर मैं उत्साहित हूँ।"

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक बातचीत में श्री नेविन जॉन ने बताया कि श्रीमती नीता अंबानी जी कहती हैं "हमारे लिए, 'अच्छा काम करना' सिर्फ़ एक पहल नहीं है और 'WE CARE' (हम परवाह करते हैं) सिर्फ़ एक सोच नहीं है। यह जीने का एक तरीका है... असली ताकत दूसरों को ऊपर उठाने में है।"

खबर संक्षेप

तीन लाख नशीली गोलियां बरामदगी में एक आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने करीब 75 लाख रुपये कीमत की 3 लाख 6 हजार नशीली टैपेंटाडोल गोलियों की बरामदगी मामले में एक और आरोपी हरजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी पहले पंजाब के बठिंडा स्थित एस्मुन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में नौकरी करता था। नौकरी के दौरान उसकी कंपनी के मालिक से अच्छी पहचान हो गई थी। बाद में नौकरी छोड़ने के बाद वह डबवाली के शिवम मेडिकल तथा गांव जगमालवाली स्थित नौरंग मेडिकल स्टोर पर काम करने लगा। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि कंपनी के मालिक से पुराने संबंधों का फायदा उठाकर उसने युवाओं में नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली टैपेंटाडोल गोलियां मंगवाने का अवैध कारोबार शुरू कर दिया। इसके लिए वह विभिन्न मेडिकल स्टोर संचालकों के लाइसेंस नंबर और दस्तावेज कंपनी को भेजता था, जिनके आधार पर फर्जी बिल तैयार कर पार्सल के माध्यम से नशीली दवाइयों की सप्लाई की जाती थी। आरोपी ने कहा कि उसके पास जिले के कई मेडिकल स्टोर संचालकों के लाइसेंस संबंधी जानकारी उपलब्ध थी।

लापरवाही पर गिरी गाज, करनाल में 12 बीएलओ निलंबित

करनाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लापरवाही बरतने वाले 12 बीएलओ को जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने करनाल विधानसभा क्षेत्र के 9 तथा घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के 3 बीएलओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी बीएलओ और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु बोले - पीएम की 17 जुलाई की जींद रैली विकास के नए अध्याय की शुरुआत होगी

जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ ग्रीन टेक्नोलॉजी को देगा नई उड़ान : कैप्टन अभिमन्यु

रेवाड़ी से जींद तक मोदी के विजन ने बनाई प्रदेश की खास पहचान, हरियाणा से केवल राजनीतिक नहीं भावनात्मक रिश्ता रहा

वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हरियाणा आज सैनिक सम्मान, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विमानन और ग्रीन मोबिलिटी जैसे पांच क्षेत्रों में राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

पूर्व वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं बल्कि भावनात्मक, विकासोन्मुखी और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक रहा है। वर्ष 2013 में रेवाड़ी में आयोजित सैनिक सम्मान रैली से लेकर 17 जुलाई 2026 को जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ तक हर महत्वपूर्ण पड़ाव ने हरियाणा को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य किया है। कैप्टन अभिमन्यु शनिवार को जींद के एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी शमशेर खरक, प्रदेश आईटी सेल प्रमुख विकास श्योकंद, डिप्टी स्पीकर के मीडिया प्रभारी सनी मग्गू तथा जिला मीडिया प्रभारी राकेश सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि 15 सितंबर 2013 को रेवाड़ी में आयोजित सैनिक सम्मान रैली केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के नए विजन की शुरुआत थी। उसी मंच से नरेंद्र मोदी ने वन रैंक, वन पेंशन, (ओआरओपी) के संकल्प को दोहराया था, जिसे बाद में उनकी सरकार ने लागू कर पूर्व सैनिकों के सम्मान को नई ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2015 को पानीपत से शुरू किया गया बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान आज पूरे देश में महिला सशक्तिकरण का एक सफल जनआंदोलन बन चुका है। हरियाणा में लिंगानुपात में आया उल्लेखनीय सुधार इस अभियान की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 24 अप्रैल 2022 को कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित कर यह संदेश दिया कि नया भारत अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए आगे बढ़ रहा है।

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट को आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से जोड़ने का कार्य केवल एक हवाई अड्डे का विस्तार नहीं बल्कि पश्चिमी हरियाणा की अर्थव्यवस्था, उद्योग, निवेश और रोजगार को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि अब 17 जुलाई 2026 को जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ प्रधानमंत्री के हरित, आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत के विजन का नया अध्याय सिद्ध होगा। यह केवल रेलवे की परियोजना नहीं बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, ग्रीन मोबिलिटी व ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक पहल है, जो देश में हरित अर्थव्यवस्था को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि 17 जुलाई को जींद में रेलवे, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार विकास को समग्र दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ा रही है। दो नए मेडिकल कॉलेज केवल भवन नहीं होंगे बल्कि हजारों युवाओं के लिए मेडिकल शिक्षा के अवसर और लाखों परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा को केंद्र स्तर पर अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाता था जबकि आज राज्य राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को कभी केवल एक राज्य नहीं माना बल्कि विकसित भारत की विकास प्रयोगशाला के रूप में देखा है। रेवाड़ी से जींद तक की यह यात्रा बताती है कि जब नेतृत्व दूरदर्शी हो तो हरियाणा केवल विकास का सहभागी नहीं, बल्कि पूरे देश को दिशा देने वाला राज्य बन जाता है।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

नारनौंद। पीएम की रैली को लेकर जनसभा को संबोधित करते कैप्टन अभिमन्यु।

हरियाणा कर रहा देश का नेतृत्व : कैप्टन

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि जींद का चयन किसी संयोग का परिणाम नहीं बल्कि दूरदर्शी रणनीतिक सोच का हिस्सा है। हरियाणा के भौगोलिक केंद्र से पूरे देश को हरित तकनीक और आधुनिक विकास का संदेश दिया जा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन भारत को स्वच्छ ईंधन आधारित रेल तकनीक विकसित करने वाले अग्रणी देशों की श्रेणी में और अधिक सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि 17 जुलाई की जनसभा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होगा बल्कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत के संकल्प का सार्वजनिक उत्सव बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश स्पष्ट है कि भारत का भविष्य ग्रीन एनर्जी, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं और तकनीक आधारित विकास में निहित है तथा हरियाणा इस परिवर्तन का अग्रदूत बनकर देश का नेतृत्व कर रहा है।

नारनौंद से हजारों लोग पैदल पहुंचेंगे जींद

नारनौंद। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि 17 जुलाई को जींद में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा हरियाणा के विकास के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि नारनौंद हलके से हजारों कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए रैली स्थल तक पहुंचेंगे। कैप्टन अभिमन्यु शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कैप्टन अभिमन्यु ने बताया कि रैली को पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहनों, साइकिल, बैलगाड़ी अथवा पैदल रैली स्थल तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर लोगों को रैली का निमंत्रण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके मार्गदर्शन में मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर के नेतृत्व में नारनौंद हलके से हजारों कार्यकर्ता सुबह पैदल रैली के लिए रवाना होंगे।

दूषित पानी पीने से 70 बच्चे बीमार, एक बच्ची की मौत

- कैथल के सजूमा गांव में 15 दिनों से परेशानी, गांव के लगभग हर घर में बच्चा बीमार
- विधायक आदित्य सुरजेवाला ने मृतका के परिवार को उचित मुआवजा, बीमारों का इलाज व स्वच्छ पेयजल की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल हलके के सजूमा गांव में दूषित पेयजल ने कहर मचा रखा है। मात्र 15 दिनों के अंदर हेपेटाइटिस-ए और अन्य गंभीर संक्रमण से 70 से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए हैं, जबकि 11 वर्षीय बालिका रितिका की पीजीआई चंडीगढ़ में इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव की हर गली में बच्चे बीमार पड़े हैं, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला शनिवार को सजूमा गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, बच्चों का हालचाल जाना और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री नायब सैनी जनता को पीने का स्वच्छ पानी तक नहीं दे सकते तो उसे सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाएंगे।

पीड़ित परिवारों ने बताया कि लंबे समय से गांव की पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है, नालियों का गंदा पानी पेयजल लाइन में मिल रहा है। नहरी पानी की बजाय गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने मांग की कि मृतक रितिका के परिवार को तुरंत पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। सभी बीमार बच्चों का उचित इलाज करवाया जाए। प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए। दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। गांव में स्वच्छ पेयजल की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने सजूमा पहुंचकर पीड़ित परिवारों से की मुलाकात।

कांग्रेस के सात विधायक जल आंदोलन को समर्थन देने के लिए पहुंचे चानौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

भाखड़ा पाइपलाइन से टी-पॉइंट के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की मांग को लेकर गांव चानौत में ग्रामीणों का धरना शनिवार को 57वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर कांग्रेस के सात विधायक पहुंचे और समर्थन देते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की।

धरने में पूर्व शिक्षा मंत्री एवं झज्जर से विधायक गीता भुक्कल, कलानौर से शकुंतला खटक, गुहला-चीका से देवेंद्र हंस, उकलाना से नरेश सेलवाल, महम से बलराम दांगी, बरोदा से इंदुराज नरवाल उर्फ भालू व नारनौंद से विधायक जस्सी पेटवाड़ शामिल हुए। विधायकों ने कहा कि चानौत गांव को जल्द से जल्द टी-पॉइंट से पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उनका कहना था कि यदि इसके लिए किसी कानून में संशोधन की आवश्यकता पड़ती है तो सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी 32 विधायक इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने और ग्रामीणों की मांग का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। इस दौरान धरना समिति ने भी बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की कि चानौत आंदोलन के समर्थन के लिए प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों को पत्र भेजे जाएंगे और इस मुद्दे पर सरकार पर समाधान के लिए दबाव बनाने की अपील करेंगी।

हांसी। धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे कांग्रेस नेता।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप चहल, पूर्व सरपंच हिप्पा, पूर्व सरपंच जसवंत सिंह, बलवान सजूमा, महावीर सैन, महावीर सैनी, गोपाल कश्यप, रमेश, हरपाल, अजय, सतीश चहल, शमशेर सिंह, रामदिया सैनी, प्रदीप, गजे सिंह कश्यप सहित अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

बाइक ने बस में पीछे से मारी टक्कर, चालक की सूझबूझ से समय पर मिला इलाज

घायलों को बस में लेकर अस्पताल पहुंचा चालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

शनिवार दोपहर मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल उस समय देखने को मिली, जब सवारियों से भरी हरियाणा रोडवेज की एसी बस अचानक कैथल के सिविल अस्पताल पहुंच गई। बस के अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल का स्टाफ भी अलर्ट हो गया। बस से दो घायलों को उतारकर स्ट्रेचर के माध्यम से तुरंत आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली से कैथल आ रही हरियाणा रोडवेज की एसी बस के चालक राजेंद्र कुमार और परिचालक महीपाल ने हादसे में घायल भाई-बहन की जान बचाने के लिए तत्परता दिखाते हुए उन्हें बिना समय गंवाए अपनी बस में बैठाकर सीधे कैथल सिविल अस्पताल पहुंचाया।

बस चालक, परिचालक और यात्रियों ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब तीन बजे जब बस गांव दुसैन के पास पहुंची तो अचानक बस के पीछे एक बाइक टकरा गई। चालक ने रियर व्यू मिरर में देखा तो एक युवक और युवती बाइक सहित सड़क पर गिरे हुए थे। उन्होंने तुरंत बस को सुरक्षित स्थान पर रोका और यात्रियों की मदद से दोनों घायलों को उठाकर बस में बैठाया। इसके बाद बस को सीधे कैथल सिविल अस्पताल ले जाया गया।

घायलों की पहचान गांव फतेहपुर निवासी भाई-बहन असमीत और रवनीत के रूप में हुई है। दोनों का अस्पताल में उपचार जारी था। वहीं बस कर्मचारियों ने उनके परिजनों को भी फोन कर घटना की सूचना दे दी। बस में मौजूद यात्रियों ने चालक और परिचालक की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। यात्रियों ने बताया कि बाइक चालक ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसे गंभीर चोट लगने से काफी हद तक बचाव हुआ। उनका कहना था कि यदि हेलमेट नहीं पहना होता तो हादसा और अधिक गंभीर हो सकता था।

सड़क पर घायल लड़की की मदद के लिए आगे आए सांसद कार्तिकेय शर्मा

पंचकूला। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने जनसेवा और मानवता का परिचय देते हुए चंडी मंदिर टोल के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एवं लहूलुहान एक युवती की तत्काल मदद की। कार्यक्रम से लौटते समय जैसे ही उन्होंने दुर्घटना देखी तो उन्होंने अपना काफिला तुरंत रुकवाया और घायल बेटी को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने अस्पताल में डॉक्टरों से घायल युवती के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उसके समुचित उपचार एवं सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने युवती के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि मुश्किल समय में जरूरतमंद की मदद करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

गुरुग्राम एनकाउंटर के बाद व्यापारी विशाल की पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

गुरुग्राम। एनकाउंटर में चार आरोपियों की मौत होने के बाद अपहृत किए गए कारोबारी विशाल बेरी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनकी सुरक्षा में चार पुलिस कर्मियों की तैनाती गई है। यह जवान दिन रात सुरक्षा में तैनात रहेंगे। करीब एक सप्ताह से विशाल को रंगदारी के लिए कॉल्स और मैसेज भेजे जा रहे थे। इन मैसेज को वह अनदेखा कर रहा था। इसी को देखते हुए बदमाश सीधे उसके घर पर पहुंचे गए थे और उन्हें उनके घर में ही बंधक बना लिया था। मगर, पुलिस की मुस्तैदी का नतीजा रहा कि चार शूटर ढेर कर दिए गए, जबकि पांचवें शिवम को घायल होने पर पकड़ लिया गया। बता दें कि कारोबारी से एक करोड़ रुपये की रंगदारी विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल ने मांगी थी। वहीं, इसके बाद कारोबारी को रोहतक के भालोठ गांव के तीन लड़कों व फतेहाबाद के एक बदमाश समेत पांच आरोपियों ने बंधक बनाया था। चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि मारे गए चार बदमाशों में से दो नाबालिग थे। दो पर कोई केस दर्ज नहीं था। एक मृतक युवा जेवलिन थ्रो का उभरता हुआ खिलाड़ी था। ऐसे में विदेश में बैठे गैंगस्टर कच्ची उम्र के लड़कों को गैंग में लालच देकर शामिल कर रहे हैं।

भिवानी व सोनीपत के अस्पतालों में मलबा गिरने पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने भिवानी के चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल को मेडिकल कॉलेज में मर्ज करने की चर्चाओं को सिरे से नकारा दिया। पत्रकारों द्वारा भिवानी नागरिक अस्पताल के वार्ड में तीमारदार पर पड़े छत के मलबे पर पूछे गए सवाल के जवाब में वे सख्त दिखाई दीं। उन्होंने पत्रकार वार्ता के बीच में सीएमओ को बुलाकर जवाब मांगा। सीएमओ हर कमी व लापरवाही को नकारते रहे, पर आरती राव ने सीधी चेतावनी दी कि जहां मलबा गिरा, उसकी एक सप्ताह में मरम्मत नहीं की तो बीएंडआर के कार्यकारी अभियंता को देख लूंगी। साथ ही सोनीपत में भी ऐसे ही हादसे पर ठेकेदार के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही। साथ ही पत्रकारों द्वारा मेडिकल कॉलेज व चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल में मर्ज करने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री आरती राव ने भिवानी के स्वास्थ्य से जुड़े सबसे बड़े विवाद को खत्म करते हुए साफ किया कि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल किसी हाल में मेडिकल में मर्ज नहीं होगा। प्रदेश भर में सरकारी अस्पतालों, सीएचसी व पीएचसी के जर्जर भवनों के सवाल पर आरती राव पत्रकारों पर ही भड़की। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल पहले मैंने 1100 डॉक्टरों की भर्ती की, दवाइयों की कमी पूरी की, पत्रकार उनकी बात क्यों नहीं करते। अंत में आरती राव ने कहा कि 17 जुलाई को पीएम मोदी हरियाणा को बड़ी सौगात देंगे। पीएम मोदी जीन्द में हाइड्रोजन ट्रेन की सौगात देंगे जो पूरे एशिया में पहली बार होगा। उन्होंने कहा कि उसी दिन पीएम मोदी भिवानी व महेन्द्रगढ़ जिलों में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन कर भी बड़ी सौगात देंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव पत्रकारों से वार्ता करते हुए।

प्रतिभा

सौ मिनट तक अकेले लाइव शो में जमी रहीं इप्शिता, जैज, ओपेरा व पंजाबी गानों से समां बांधा

तीन शैलियों में गीत गाकर दिल जीत ले गईं इप्शिता खुल्लर

- सीपीसीएस सीएम राजेश खुल्लर की बेटी के कार्यक्रम को कला प्रेमियों ने खूब सराहा

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

चंडीगढ़ शहर में पली-बढ़ी शहर की बेटी इप्शिता खुल्लर ने लाइव शो में सौ मिनट तक अकेले ही धमाल कर दिया। इप्शिता ने अपने लाइव शो में कई रंग बिखेरे। खास बात यह है कि शहर में पहली प्रस्तुति को देखने के लिए, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया के साथ साथ दक्षिण अफ्रीका से भी उनके दोस्त व करीबी आए हुए थे। टैगोर थियेटर में शहर के कई कॉलेजों के विद्यार्थियों के अलावा राजधानी चंडीगढ़ की अफसरशाही भी टकटकी लगाए शो को देखती रही।

एक भारतीय युवती द्वारा जैज, ओपेरा और पंजाबी गानों का अनूठा संगम तैयार कर जो प्रस्तुति दी गई, वो चंडीगढ़ टैगोर थियेटर में एक यादगार शाम छोड़ गई। कई बार दर्शक अपनी सीटों से उठकर तालियां बजाने को मजबूर हो गए। इस कार्यक्रम में सीपीसीएस सीएम राजेश खुल्लर और उनकी पत्नी पूर्व डीजी हेल्थ, वर्तमान में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्या सोनिया खुल्लर भी मौजूद थीं। बतौर मां-बाप उनके लिए भी बेहद ही भावुक पल थे।

प्रस्तुति देतीं इप्शिता।

लंदन की येल यूनिवर्सिटी में पढ़ी हैं इप्शिता

लंदन की येल यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा और सामाजिक बदलाव की आवाज चंडीगढ़ में जन्मीं इप्शिता सिर्फ गायिका ही नहीं, बल्कि एक व्यवहार वैज्ञानिक भी हैं। उन्होंने दुनिया के शीर्ष येल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान में स्नातक और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमएससी की पढ़ाई की है। उन्होंने यो यो हनी सिंह के साथ 'फर्स्ट किस' गाने से डेब्यू किया था और हाल ही में उनका नारीवादी पॉप गीत 'बर्न इट डाउन' काफी लोकप्रिय हुआ है, जो समाज में लैंगिक असमानता को चुनौती देता है। इस शानदार प्रदर्शन को देखने के लिए चंडीगढ़ प्रशासन, पंजाब और हरियाणा के कई शीर्ष आईएएस और आईपीएस अधिकारी, न्यायाधीश, शिक्षाविद और कला समीक्षक विशेष रूप से पहुंचे थे। दर्शकों ने खड़े होकर तालियों के साथ इप्शिता की जादुई आवाज और कलात्मक प्रस्तुति का स्वागत किया।

बता दें कि हरियाणा के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राजेश खुल्लर और सोनिया खुल्लर की बेटी इप्शिता के बहुप्रतीक्षित शो को लेकर युवा वर्ग काफी दिनों से इंतजार में थे। जैज, ओपेरा और पंजाबी गानों के अनूठा संगम कार्यक्रम के दौरान इप्शिता ने अपनी बहुमुखी गायकी का परिचय देते सौ मिनट तक एक के बाद एक बेहतरीन प्रस्तुति दी। इस दौरान उन्होंने मजाहिया लहजे में माता पिता द्वारा की जाने वाली टिप्पणियों को भी शो का हिस्सा बना डाला। युवाओं के प्यार और उसके बाद में दिल टूटने की कहानी को तीन भाषाओं पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी में उकेर दिया। दर्शकों ने पूरे कार्यक्रम को खूब सराहा।

मेवाती मेडिकल कॉलेज में बिजली-पानी का संकट, डॉक्टरों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नूंह

शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में बिजली और पानी के गंभीर संकट को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों ने शनिवार को प्रदर्शन किया। डॉक्टरों ने निदेशक कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए कॉलेज प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु जोगी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लंबे समय से बिजली-पानी की समस्या से जूझ रहा है। पिछले चार दिनों में स्थिति और गंभीर हो गई है। अस्पताल में पर्याप्त पानी और निर्बाध बिजली आपूर्ति न होने से डॉक्टरों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी परेशानी हो रही है।

रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सुविचार

अगर आप कल से बेहतर होना चाहते हैं, तो आज की शुरुआत खुद से करें।
-अज्ञात

09 डायमंड लीगः सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

हर भार वर्ग में हरियाणा के पहलवानों ने दी पटखनी, 4 स्वर्ण सहित जीते कुल 10 पदक

अंडर-23 नेशनल फ्री स्टाइल कुश्ती चैंपियनशिप में कब्जाई ट्रॉफी

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। जुलाई 2026 में आयोजित हुई अंडर-23 नेशनल फ्री स्टाइल कुश्ती चैंपियनशिप के परिणाम घोषित हो गए हैं, जिसमें देश भर के युवा पहलवानों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिले। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 200 अंकों के साथ ओवरऑल टीम चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, एसएससीबी की टीम 138 अंकों के साथ दूसरे और पंजाब की टीम 124 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। हरियाणा के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हर भार वर्ग में पदक जीता है। इसमें कुल चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि खेल मंत्री गौरव गौतम ने शिरकत की।

हरियाणा के अखाड़े के सामने सब फेल, 200 अंकों के साथ टॉप पर रहा सूबा

भार वर्ग	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
57 किलोग्राम	रूपेश हरियाणा	अतुल एसएससीबी	अमोल महाराष्ट्र व सुमन बिहार
61 किलोग्राम	विभव महाराष्ट्र	सूरज उत्तर प्रदेश	शुभम एसएससीबी व सागर हरियाणा
65 किलोग्राम	जसकरन पंजाब	रोहित हरियाणा	सुमित राजस्थान व शिवम उत्तर प्रदेश
70 किलोग्राम	नितिन एसएससीबी	अश्वनी उत्तर प्रदेश	नीलेश सिंह तेलंगाना व रिंकू हरियाणा
74 किलोग्राम	नरेंद्र एसएससीबी	नवीन हिमाचल प्रदेश	ऋषभ पंजाब व यश हरियाणा
79 किलोग्राम	पारस हरियाणा	यश एसएससीबी	प्रियांशु दिल्ली व विशाल पंजाब
86 किलोग्राम	साहिल एसएससीबी	हिमांशु हरियाणा	सुमित हिमाचल प्रदेश व उत्तर प्रदेश
92 किलोग्राम	वंश हरियाणा	आकाश उत्तर प्रदेश	मनीष राजस्थान व विशाल महाराष्ट्र
97 किलोग्राम	शिवम हरियाणा	दीपक दिल्ली	अथर्व महाराष्ट्र व साहिल राजस्थान
125 किलोग्राम	जसपूरन पंजाब	लक्ष्य उत्तर प्रदेश	रोहित हरियाणा व भीष्म राजस्थान

114 करोड़ से 42 स्टेडियमों को सुधारा जा रहा हैः खेल मंत्री

इस अवसर पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि कॉमनवेल्थ खेलों के लिए हरियाणा के खिलाड़ियों व सरकार की अच्छी तैयारी है। स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए अच्छी सुविधा देने का काम जल्द किया जाएगा। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि दी गई है। साथ ही 114 करोड़ रुपये से 42 स्टेडियमों को सुधारा जा रहा है। खेलमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कानून अपना काम कर रहा है। पिछले दिनों एनकाउंटर भी किए गए हैं। खेलमंत्री ने कहा कि 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद की धरती से पूरी दूनिया को एक ऐतिहासिक संदेश देकर जाएंगे। जींद से कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमडीयू के डॉ. मंगलसेन मल्टीपर्पज हॉल में एसी के मेंटेनेंस का काम चल रहा है, जो जल्द पूरा हो जाएगा। इसमें कोई राजनीति नहीं हो रही। वैसे भी राजनीति में खेल हो सकता है, लेकिन खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

खबर संक्षेप

1.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न अब तक फाइल

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को बताया कि 2025-26 फाइनेंशियल ईयर के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। 2025-26 फाइनेंशियल ईयर में हुई कमाई के लिए आईटीआर 1 और 2 फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। विभाग ने 'एक्स' पर कहा, 1.7 करोड़ से ज़्यादा टैक्सपेयर्स ने समझदारी भरा कदम उठाते हुए एवाय 2026-27 के लिए अपने आईटीआर फाइल कर दिए हैं।' इनमें से 10 लाख से ज्यादा रिटर्न शुक्रवार को फाइल किए गए। *एजेंसी*

सिंगर एस जानकी का 88 साल की उम्र में निधन

मैसूर। मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी का शनिवार को मैसूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 साल की थीं। शुक्रवार रात उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। एस. जानकी ने अपने करियर में 48 हजार से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए। इनमें ज्यादातर हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में हैं। एस. जानकी को 'बोल बेबी बोल (मेरी जंग), प्रभु मोरे अवगुण (सुर संगम), ओ मारिया (सागर), गोपाला-गोपाला (हमसे है मुकाबला) जैसे हिंदी गानों के लिए जाना जाता है। *एजेंसी*

मोदी और प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच द्विपक्षीय बैठक

भारत-न्यूजीलैंड में 35,000 करोड़ के व्यापार का लक्ष्य

- *मोदी बोले- दूरी हजारों किमी मगर दिल में हिंदुस्तान बसता*
- *लक्सन बोले- भारत कितना एनर्जेटिक है, यहां दिखता है*
- *मोदी का दौरा ऐतिहासिक रिश्तों को नई ऊंचाई देगा*

भाषा ▶▶| ऑकलैंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच शनिवार को हुई वार्ता के बाद भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों का रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक विस्तार किया तथा साथ ही दोनों देशों ने 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार को दोगुना कर 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया। दोनों नेताओं की बैठक में 18 ठोस परिणाम सामने आए, जिनमें 10 समझौतों पर हस्ताक्षर शामिल हैं। इनमें अगले चार वर्षों में संबंधों को विस्तार देने की रूपरेखा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग बढ़ाने का ढांचा तथा भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक सहयोग समझौता प्रमुख रहे। वार्ता के बाद मोदी ने कहा, ''हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फ़ैसला किया है। हम स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस नतीजों के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।''

दोनों देशों के बीच 10 समझौते हुए

मोदी बोले- मैं 25 साल पुराना मफलर पहनकर न्यूजीलैंड आया

पीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है।

समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता दोहराई

एक संयुक्त बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और लक्सन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर विचार-विमर्श किया और स्वतंत्र, खुले एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहरायी। दोनों नेताओं ने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। बयान के अनुसार, दोनों प्रधानमंत्रियों ने समुद्री नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्रों के अन्य वैध उपयोगों को सुनिश्चित करने का समर्थन किया।

चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था

मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था। उस दिन हमें गर्व हुआ। यहां की स्पेस कंपनियों ने कई बार हमारे साथ मिलकर काम किया है।

आप हर उपलब्धि पर नजर रखते हैं

उन्होंने ने हजारों किमी दूर रहते हुए भी आपके दिल के किसी कोने में कहीं न कहीं हिंदुस्तान बसता ही है। शरीर यहां होगा मन भारत में होगा। इसलिए आप भारत की हर उपलब्धि पर भी नजर रखते हैं।

देश की जनसंख्या नहीं जनकल्याण भावना अहम

मोदी ने कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। यह वो देश है जिसने सबसे पहले महिलाओं को वोटिंग का अधिकार दिया था।

प्रदेश में नदियां उफान पर

कुरुक्षेत्र के 4 गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने

पंचकूला में धारा 163 लागू बांधों पर बढ़ रहा जलस्तर

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

हरियाणा में मानसून कमजोर पड़ने के बाद अब पहाड़ों में हो रही बारिश का असर दिखाई देने लगा है। नदियां उफान पर हैं और कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मारकंडा के पानी की वजह से कुरुक्षेत्र के चार गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। सबसे ज्यादा असर कठवा गांव पर पड़ा, जहां गांव को शहर और दूसरे गांवों से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पानी में डूब गई। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल और करनाल में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मारकंडा नदी के पानी से 4 गांव प्रभावित

कुरुक्षेत्र मे मारकंडा नदी में शनिवार सुबह 14,294 क्यूसेक पानी पहुंचने के बाद शाहाबाद क्षेत्र के कठवा, कलसाना, तंगोर और मोहनपुर गांव प्रभावित हो गए। सबसे ज्यादा असर कठवा में रहा, जहां मुख्य सड़क पानी में डूबने से आवागमन बाधित हो गया।

पंचकूला में नदियां उफान पर, धारा 163 लागू

हिमाचल के पहाड़ों और पंचकूला में भारी बारिश से घग्गर, कौशल्या व टांगरी नदी में जलस्तर बढ़ गया है। बाढ़ के खतरे को देखते हुए डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने पूरे जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। 28 अगस्त 2026 तक नदी- नालों के किनारे जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उल्लंघन करने वालों पर केस दर्ज किया जाएगा। वहीं, शनिवार सुबह 10:00 बजे हथिनी कुंड बैराज पर यमुना नदी का जलबहाव 33079 क्यूसेक रहा। यूपी की डिमांड 2000 से घटकर 260 क्यूसेक रही।

देश के 70% हिस्से से मानसूनी बादल गायब

नई दिल्ली। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के 7 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के 70% हिस्से से बादल गायब हो गए हैं। आईएमडी की नई सैटेलाइट तस्वीरों और विंडी. कॉम के मुताबिक बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं। इधर के देश के जिन हिस्सों में मानसून थोड़ा बहुत सक्रिय है, वहां सड़कों पर पानी भरने, नदियो में बाढ़ आने जैसी घटनाएं हो रही हैं। यूपी के हापुड़ में तेज बारिश से अंडरपास में पानी भर गया। बिजनौर में गंगा और उसकी सहायक मालन नदी उफान पर है। (पैकेज पेज 7 पर)

- 7 राज्यों में अगले 5 दिन बारिश नहीं
- उत्तराखंड में बारिश, 120 सड़कें बंद

75% से ज्यादा हिस्सा भारत में बना

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल, स्वदेशी मिसाइल से लैस

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75% से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। यह हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आठ ड्रोन कंपनियों के समूह के साथ 'ड्रोन सिटी' विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सूरत 'डायमंड सिटी' और बेंगलुरु 'सिलिकॉन वैली' के नाम से जाना जाता है, उसी तरह आने वाले समय में कुरनूल देश का ड्रोन हब बनेगा।

मेक इन इंडिया की झलक

इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। युद्धपोत में 75% से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके निर्माण में देशभर की कई एमएसएमई कंपनियों ने भी योगदान दिया है, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

मॉडर्न हथियारों से लैस

महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस-टू-सरफेस और सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं।

स्टेल्थ तकनीक, हाई-स्पीड क्षमता

महेंद्रगिरि में उन्नत स्टेल्थ तकनीक दी गई है, जिससे इसकी रडार पर पहचान करना मुश्किल होगा। इसमें कम्बाइंड डीजल और गैस प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है, जो इसे लंबी दूरी तक तेज गति से संचालन की क्षमता देता है।

दुष्कर्म के आरोपी ने 6 हत्याएं की

पहले पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित व उसके परिवार को मार डाला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया।

- तेलंगाना का मामला, लड़की ने आरोपी के खिलाफ दर्ज करवाया था केस

मुजतबा बोले, पिता की मौत का बदला लेंगे, ट्रंप ने कहा-1000 मिसाइलें तैयार, तबाह कर देंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद पहली बार संदेश जारी किया। अल जजीरा के मुताबिक, उन्होंने कहा- 'मैं अपने पिता के बेगुनाह खून का बदला जरूर लूंगा, यह ही हमारे देश की भी इच्छा है।' मुजतबा ने अंतिम संस्कार में शामिल हुए लाखों लोगों का आभार जताया और अपने पिता को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि लोगों की भारी मौजूदगी ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया और यह एक ऐतिहासिक पल था। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा कि ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी।

पिता के अंतिम संस्कार के बाद संदेश जारी किया

लोगों की भारी मौजूदगी ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया

ईरान ने क्षतिग्रस्त रेलवे पुल फिर शुरू किया

ईरान ने कहा है कि अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त हुआ गोलिस्तान प्रांत के अककला काउंटी का रेलवे पुल फिर से चालू कर दिया गया है। ईरान की रेडियो और टेलीविजन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, गोलिस्तान के गवर्नर अली असगर तहमासबी ने कहा कि हमले के 24 घंटे के भीतर पुल को दोबारा शुरू करना दुश्मनों की धमकियों और हमलों का व्यावहारिक जवाब है।

मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर सरकार कसेगी नकेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अब देश में सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप्स की मनमानी पर लगाम कसने के लिए नए नियम लाने की तैयारी में है। यूजरनेम फीचर पर मचे घमासान के बाद अब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय किसी एक एप के बजाए देश में सक्रिय सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम लागू करने की योजना में है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में चाहे व्हाट्सएप हो, टेलीग्राम हो, सिग्नल हो या और अन्य मैसेजिंग एप्स सबको सरकार के एक ही नियम के दायरे में रहकर काम करना होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार अब सरकार एक ऐसा कॉमन रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने पर विचार कर रही है।

उपलब्धि जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

जानें कैसे चलती है भारत की यह विशेष ट्रेन

रोहतक ▶▶| सेंट्रल डेस्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा के जींद से भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन झंडी दिखाएंगे। यह भारतीय रेलवे के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि होगी। रेलवे के अनुसार, यह दुनिया की सबसे लंबी (आठ यात्री डिब्बे और दो ड्राइविंग पावर कार) तथा सबसे शक्तिशाली (2,400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेनसेट्स में से एक है। यह ट्रेन 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत रेलखंड पर कम से कम 682 यात्रियों को लेकर अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की परिचालन गति से चलेगी। ट्रेन प्रतिदिन दो फेरे (राउंड ट्रिप) लगाएगी, कुल 356 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और इसमें लगभग 300 किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होगी।

दुनिया में हाइड्रोजन ट्रेनें

फ्रांस की रेल निर्माण कंपनी अल्स्टॉम ने पहली बार 2016 में बर्लिन की एक प्रदर्शनी में हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक का प्रदर्शन किया था। कंपनी की दो-कोच वाली ट्रेन 2018 में जर्मनी में शुरू हुई और यह दुनिया की पहली हाइड्रोजन चालित यात्री ट्रेन बनी। इसके बाद जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों ने भी अपनी-अपनी हाइड्रोजन ट्रेनें शुरू कीं। हालांकि, यह तकनीक अभी भी विकसित हो रही है।

तारों की आवश्यकता नहीं

सामान्य इलेक्ट्रिक ट्रेनें ऊपर लगे ओवरहेड तारों से बिजली प्राप्त करती हैं। लेकिन हाइड्रोजन ट्रेन को इन तारों की आवश्यकता नहीं होती। यह ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के रासायनिक संयोजन से बिजली पैदा करती है, जिससे मोटर चलती है। भारतीय हाइड्रोजन ट्रेन में दोनों ड्राइविंग पावर कारों में चार-चार इंटीग्रेटेड पावर पैक लगाए गए हैं। प्रत्येक पावर पैक में एक हाइड्रोजन फ्यूल सेल और एक लिथियम फेरो फॉस्फेट बैटरी लगी है। फ्यूल सेल ट्रेन में संग्रहित उच्च दबाव वाली 440 किलोग्राम हाइड्रोजन तथा वातावरण से ली गई ऑक्सीजन को मिलाकर विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करेगा। एक पावर पैक 300 किलोवाट ऊर्जा देगा। जिसमें 115 किलोवाट फ्यूल सेल से व 185 किलोवाट लिथियम फेरो फॉस्फेट बैटरी से मिलेगी। चार पावर पैक मिलकर 1,200 किलोवाट ऊर्जा उत्पन्न करेंगे। ट्रेन में दो पावर कार हैं, इसलिए कुल क्षमता 2,400 किलोवाट (लगभग 3,200 हॉर्सपावर) होगी। यह क्षमता सामान्य इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट और डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डीएमयू) ट्रेनों के बराबर है, जो समान दूरी पर चलती हैं।

बैटरी व फ्यूल सेल का तालमेल

इस ट्रेन को पुराने डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रेक से डीजल इंजन हटाकर उसमें हाइड्रोजन-इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम लगाकर तैयार किया गया है। फ्यूल सेल लगातार समान मात्रा में बिजली पैदा करता है। जब ट्रेन चलना शुरू करती है, तब उसकी बिजली की जरूरत कम होती है। ऐसे में फ्यूल सेल से बनी अतिरिक्त बिजली बैटरी को चार्ज करती रहती है। जैसे-जैसे ट्रेन की गति बढ़ती है और बिजली की मांग अधिक होती है, बैटरी भी फ्यूल सेल के साथ मिलकर अतिरिक्त ऊर्जा उपलब्ध कराती है। जब ट्रेन स्टेशन के पास पहुंचती है और बिजली की जरूरत फिर कम हो जाती है, तब बैटरी की आपूर्ति बंद हो जाती है तथा फ्यूल सेल की अतिरिक्त बिजली फिर से बैटरी को चार्ज करने लगती है। इससे पूरी यात्रा समाप्त होने तक बैटरी लगभग 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। सामान्य वायुमंडलीय दबाव को 1 बार कहा जाता है, जबकि हाइड्रोजन को 200 से 500 बार के अत्यधिक दबाव पर संग्रहित करना पड़ता है। यही हाइड्रोजन ट्रेनों के संचालन की सबसे बड़ी तकनीकी चुनौती है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो की तैयारियों की समीक्षा की

बंदरगाहों और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा को 'अभेद्य' बनाएं, व्यापक डेटाबेस तैयार करें

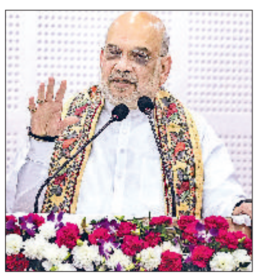

बैठक में गृह सचिव, सूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव शामिल रहे

तटीय सुरक्षा पर किसी तरह की लापरवाही न हो

गृहमंत्री शाह और पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सोनोवाल ने की समीक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, सीमा प्रबंधन सचिव, पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी सचिव, मत्स्यपालन विभाग के सचिव, सीआईएसएफ के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने निर्देश दिया कि ब्यूरो में तैनात किए जाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए। सुरक्षाकर्मियों का प्रशिक्षण जल्द शुरू किया जाए। साथ कंटेनर स्कैनिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

प्रशिक्षित निजी सुरक्षाकर्मियों की हो तैनाती

शाह ने कहा कि बंदरगाहों की सुरक्षा का कार्य लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसियों को दिया जाए। उन्हीं निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाए, जिन्हें सीआईएसएफ से प्रशिक्षण मिला हो। सीआईएसएफ को विशाखापत्तनम, जवाहरलाल नेहरू और मुंद्रा पोर्ट ब्यूरो को सौंपी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का ट्रायल करने के निर्देश दिए।

वैधानिक निकाय के रूप में होगा ब्यूरो का गठन

सरकार ब्यूरो का गठन एक वैधानिक निकाय के रूप में कर रही है। इसका नेतृत्व महानिदेशक करेंगे और यह मंत्रालय के अधीन कार्य करेगा।

फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा पर जोर

शाह ने मत्स्यपालन विभाग के अधिकारियों के साथ अलग बैठक कर फिशिंग हार्बर्स और फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसरो द्वारा विकसित 'नभमित्र' ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नाविक इसे अपने मोबाइल में डाउनलोड कर सकें। उन्होंने सभी जिलों के डीएम और एसपी से फिश लैन्डिंग सेंटर्स की सूची उपलब्ध कराने तथा मत्स्यपालकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने के भी निर्देश दिए।

फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर स्थायी पुलिस बल की तैनाती हो

शाह ने जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि सभी फिश लैन्डिंग सेंटर्स पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर स्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति हो, ताकि तटीय सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण किया

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाली भीड़ पर निर्भर, विवेक जगेगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाज़ार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। अपना अनुभव साझा किया।

यह ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा

शाह ने कहा कि यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए।

आज भी 'जोशी अभ्यंकर हत्याकांड' पर सिहर रहा पुणे

'कलाकार' 4 छात्रों की करतूत, 14 महीने के मध्य की एक के बाद एक 10 हत्याएं

1976 में शहर को अशांत बना दिया, आज नई पहचान मिली

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र का पुणे शहर कारोबारी केतन हत्याकांड के चलते इन दिनों काफी चर्चाओं में है, लेकिन अब से करीब 50 साल पहले यही शहर एक ऐसे खौफनाक मंजर का गवाह बन चुका है कि आज भी लोग उस कांड को याद करते हैं, तो सिहर जाते हैं। 1976 में इसेकिसी की नजर लग गई। महज 14 महीनों के भीतर एक के बाद एक 10 ऐसी बेरहम हत्याएं हुईं, जिन्होंने पूरे महाराष्ट्र की रूह कंपा दी। आतंक फैलाने वाले गैंगस्टर नहीं, 'अभिनव कला महाविद्यालय' के सीधे-सादे आर्ट्स के 4 छात्र थे।

पैसों की हवस और पहला कत्ल

इस खौफनाक सिलसिले की शुरुआत 16 जनवरी 1976 को एक रहस्यमयी गुमशुदगी से हुई। इन लड़कों के साथ पढ़ने वाला प्रकाश हेगड़े अचानक गायब हो गया। प्रकाश के पिता शहर के एक कामयाब रेस्टोरेंट मालिक थे। परिवार को 25,000 रुपए की फिरौती का खत मिला।

परीक्षा बारे में 'मनगढ़ंत' पोस्ट करने पर केस

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस ने 'उप्र दरोगा भर्ती परीक्षा-2025' के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित रूप से मनगढ़ंत और भ्रामक संदेश पोस्ट करने के आरोप में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के एक उपयोगकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अभी तक आरोपी व्यक्ति की पहचान नहीं कर सकी है। पुलिस निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है, ''सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मनगढ़ंत और भ्रामक संदेश पोस्ट कर उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 की चयन प्रक्रिया की शुचिता को प्रदूषित करने, परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के बीच उपद्रव पैदा करने, सरकारी काम में बाधा डालने और उत्तर प्रदेश सरकार की छवि खराब करने के इरादे से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का दुरुपयोग किया गया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान
(यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय)
(भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन अनुदान प्राप्त संस्थान)
वी.एन. पुरव मार्ग, देवनार, मुंबई 400088

शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए प्रवेश सूचना

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (TISS) शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए पूर्णकालिक (नियमित) स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश को घोषणा करता है। प्रवेश CUET-UG स्कोर 2026 के आधार पर होगा।

TISS के स्नातक कार्यक्रमों में आवेदन हेतु पात्रता मानदंड एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाईट https://admissions.tiss.ac.in/admissions/ba/programmes/ देखें।

प्रवेश से संबंधित किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की जानकारी/सहायता के लिए कृपया **admissionsinfo@tiss.ac.in** पर संपर्क करें या प्रवेश हेलपलाईन 022-25525252 पर काल करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: 17.7.2026
CBC-21323/11/0002/2627 कुलसचिव

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **विक्की, पुत्रः** श्री बलबीर, **पताः** वीपीओ–सेवली, ज़िला–सोनीपत, हरियाणा ने **FIR No. 404/2017 U/s 25/54/59 A. Act थाना: कंझावला, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की,** फरार हो गया है(या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 404/2017 U/s 25/54/59 A. Act थाना: कंझावला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विक्की,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अपूर्व भारद्वाज
DP/9503/RD/2026 जेएमएफसी– 02, कमरा नंबर 113, पहली मंजिल
(Court Matter) रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय
मोतिहारी, बिहार

प्रवेश प्रारम्भ
पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातक–स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश
प्रवेश: CUET (UG) – 2026 के माध्यम से

उपलब्ध पाठ्यक्रम

संगणन विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संकाय
- बी.टेक. – एम.टेक. (कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
- बी.ए. – एम.ए. (पत्रकारिता एवं जनसंचार)
- बी.लिब.आई.एससी. – एम.लिब.आई.एससी. (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान)

वाणिज्य एवं प्रबंधन विज्ञान संकाय
बी.कॉम. – एम.कॉम.

सामाजिक विज्ञान संकाय
- बी.ए. – एम.ए. (अर्थशास्त्र)
- बी.ए. – एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
- बी.ए. – एम.ए. (समाजशास्त्र)
- बी.ए. – एम.ए. (समाज कार्य)
- बी.ए. – एम.ए. (गांधी एवं शांति अध्ययन)

मानविकी एवं भाषा संकाय
- बी.ए. – एम.ए. (अंग्रेजी)
- बी.ए. – एम.ए. (हिन्दी)
- बी.ए. – एम.ए. (संस्कृत)
- बी.ए. – एम.ए. (गांधी एवं शांति अध्ययन)

आवेदन की अंतिम तिथि: 21 जुलाई 2026

ऑनलाइन आवेदन करें
https://mgcubcuet.samarth.edu.in/ug
www.mgcub.ac.in

एमजीसीयूबी क्यों चुनें?
- भारत के शीर्ष 20 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप 5-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम।
- 35,000+ पुस्तकों से युक्त स्मार्ट RFID सक्षम केंद्रीय पुस्तकालय।
- आधुनिक छात्रावास सुविधाएं।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग।
- सशक्त शोध, नवाचार एवं उद्यमिता का वातावरण।
- उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड।
- आईसीटी आधारित आधुनिक विश्वविद्यालय।

भविष्य की मजबूत नींव, संरचित शिक्षा, उज्ज्वल करियर!

पता: डॉ. अंबेडकर प्रशासनिक भवन, ओपी थाना के पास, रघुनाथपुर, मोतिहारी, बिहार – 845401
CBC 21336/11/0002/2627

उत्तर रेलवे
ई. निविदा
खुली निविदा संख्या 17–अम्बाला/2026–27 दिनांक 10.07.2026

वरिष्ट मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/II/अम्बाला के अधीन सहायक मंडल इंजीनियर / पटियाला सेक्शन में टीटीआर एवं स्लीपर नवीनीकरण कार्य, जिसके अंतर्गत टीटीआर (TWS+CMSC) – 40 सेट, टीटीआर (FS+TWS+WCMSC) – 13 सेट, टीटीआर (TWS) – 65 सेट, टीटीआर (TSR) – 110 सेट तथा टीटीआर (CMSC) – 25 सेट का कार्य।	52,54,859	1,05,100	08 महीने	04.08.2026
2	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/II/अम्बाला के अधीन सहायक मंडल इंजीनियर/पटियाला सेक्शन में टीटीआर (TWS) एवं टर्नआउट स्लीपर नवीनीकरण कार्य, जिसके अंतर्गत टीटीआर (TWS+CMSC) – 40 सेट, टीटीआर (FS+TWS+WCMSC) – 13 सेट, टीटीआर (TWS) – 65 सेट, टीटीआर (TSR) – 110 सेट तथा टीटीआर (CMSC) – 25 सेट का कार्य।	69,58,914	1,39,200	08 महीने	04.08.2026
3	(1) वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर / डब्ल्यू/एल/सहारनपुर के सेक्शन में सहायक मंडल इंजीनियर/सहारनपुर के अधीन केजेजीवाई में विद्यमान प्रशासनिक भवन के स्थान पर नया सी एंड डब्ल्यू प्रशासनिक भवन का प्रावधान। (2) वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/डब्ल्यू/ई/सहारनपुर के सेक्शन में सहायक मंडल इंजीनियर/सहारनपुर के अधीन खानालमपुरा यार्ड स्थित आरओएच डिपो में शॉवर टेस्टिंग सुविधा का विकास।	3,48,25,541	6,96,500	12 महीने	04.08.2026
4	बटिंडा रेलवे स्टेशन स्थित सी एंड डब्ल्यू डिपो में वाशिंग लाइन संख्या 1 एवं 2 की मरम्मत एवं पुनर्वास द्वारा आधारभूत संरचना सुविधाओं का उन्नयन।	89,46,477	1,78,900	08 महीने	04.08.2026

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट/बैंक गारंटी बांड अनुबंध IV के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई – निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **2389/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था

अब भीलवाड़ा–बांसवाड़ा में 7 प्रसूताओं की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था सवालों के घेरे में है। प्रदेश में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि प्रसूताओं की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। कोटा, बीकानेर और जोधपुर के बाद अब भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के अस्पतालों से दिल दहला देने वाले मामले सामने आए हैं।पूरे प्रदेश के स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप है। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल स्थित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में पिछले छह दिनों के भीतर 5 प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। मृतकों में शिमला गुर्जर (5 जुलाई), फोरी देवी (7 जुलाई), ईशा पांडे (8 जुलाई), दिव्या (9 जुलाई) और संगीता जीनगर (10 जुलाई) शामिल हैं। इन सभी महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी, जिसके बाद तबीयत बिगड़ने पर इन्हें मेडिकल आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

महानदी जल विवाद के समाधान के लिए मशक्कत

ओडिशा व छग ने आपसी सहमति से विवाद के समाधान की 'इच्छा' जताई

ट्रिब्यूनल में सुनवाई के दौरान समर्थन की बात आई सामने

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

महानदी जल विवाद के समाधान का रास्ता अब साफ होता नजर आ रहा है। ट्रिब्यूनल में हुई सुनवाई के दौरान दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से विवाद के समाधान की इच्छा जताई है। ओडिशा सरकार के प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ ने भी अपनी सहमति दे दी है। शनिवार को मामले की सुनवाई ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी की अध्यक्षता में हुई। ओडिशा के एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने कहा दोनों ने बातचीत से विवाद का स्थायी हल निकालने पर सहमति व्यक्त की है।

विवाद के मुख्य कारण

- ओडिशा का आरोप है कि छत्तीसगढ़ द्वारा ऊपरी हिस्से में अवैध बैराज और एनिकट बनाने से नीचे की तरफ पानी का बहाव कम हो गया है।
- इससे ओडिशा के प्रसिद्ध हीराकुंड बांध में पानी की आवक प्रभावित होती है।
- छत्तीसगढ़ का तर्क है कि महानदी बेसिन का एक बड़ा हिस्सा उसके क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे अपनी कृषि और औद्योगिक विकास के लिए पानी का उपयोग करने का अधिकार है।

न्यायाधिकरण और वर्तमान स्थिति

- 2018 में केंद्र ने अधिनियम, 1956 के तहत महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था।
- 999 दोनों राज्यों के बीच इस मामले को बातचीत से हल करने के प्रयास जारी हैं।

केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है उच्च रक्तचाप की समस्या, समय रहते जांच कराने की सलाह

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में अब कम उम्र के युवाओं में भी उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जो पहले ज्यादातर मध्यम और अधिक उम्र के लोगों की बीमारी मानी जाती थी। हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी कुछ वजह ज्यादा समय बैठे रहने की आदत, मोटापा, लगातार तनाव व अपौष्टिक भोजन हैं। चिकित्सकों ने कहा कि कई लोगों को तब तक यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें उच्च रक्तचाप की समस्या है, जब तक हृदयाघात, दौरे पड़ने या गुर्दे की बीमारी जैसी गंभीर समस्या नहीं हो जाती। एनएफएचएस-6 (2023-24) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 15 साल से अधिक उम्र की 19.4 प्रतिशत युवतियों और 22.1 प्रतिशत युवकों को उच्च रक्तचाप की समस्या है या वे इसके लिए दवा ले रहे हैं। शहरों में ऐसे लोगों की संख्या गांवों की तुलना में ज्यादा है। विशेषज्ञों ने कहा कि सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि उच्च रक्तचाप में अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखाई देते और इसकी जानकारी तब मिलती है, जब बीमारी बढ़ चुकी होती है।

ज्यादातर मरीज खुद को स्वस्थ महसूस करते हैं

'इंस्टीट्यूट ऑफ हार्ट लंग्स डिजीज रिसर्च सेंटर' के चेयरमैन और 'आईलिव कनेक्ट' के संस्थापक डॉ. राहुल चंदोला ने कहा, ''ज्यादातर युवा मरीज खुद को पूरी तरह स्वस्थ महसूस करते हैं। उन्हें अक्सर सामान्य जांच, ऑपरेशन से पहले की जांच या हृदय से जुड़ी किसी आपात स्थिति के बाद पता चलता है कि उन्हें उच्च रक्तचाप की समस्या है।'' उन्होंने कहा कि अस्पताल में कराई गई रक्तचाप की जांच केवल उस समय की स्थिति बताती है जबकि जरूरी बात यह जानना है कि रोजमर्रा की जिंदगी में कई हफ्तों और महीनों तक रक्तचाप कैसा रहता है।

पहले 40 साल से उम्र में कम दिखता था उक्त रक्तचाप

एम्स, दिल्ली के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग ने कहा कि 10 साल पहले 40 साल से कम उम्र के लोगों में उच्च रक्तचाप के मामले बहुत कम देखने को मिलते थे। आज यह लगभग हर दिन देखने को मिल रहा है। कई युवा लंबे समय तक बैठे रहते हैं, ज्यादा प्रोसेस्ड फूड खाते हैं, अच्छी नींद नहीं लेते और लगातार तनाव में रहते हैं।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6284

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका–4
5.रपटना –4
9.डोली उठानेवाले–3
10.पुत्र,लड़का–3
12.अधिकार–2
14.नवीन,नया–2
15.एक विदेशी शराब–2
16.कला,हुनर–2
17.मां का प्यार–3
19.दम,बल,जोर–3
21.पपीहा,पपीहरा–3
22.करामात,कारनामा–4
24.शमशीर,कृपाण–4
25.तरंगित,लहरीय–5
26.बोरिया–बिस्तर–4
29.साले की पत्नी–4
33.प्रयास,यत्न–3
34.सहायता,सहयोग–3
36.लीन,तल्लीन–3
37.गहन वन,बुनाई कर्म–2
38.टुकड़ा,कण–2
39.मैं का बहुवचन–2
41.भीगा हुआ–2
42.अंधकार,अंधेरा–3
43.द्रव मापने की इकाई–3
45.प्राचीर,स्तंभ–4
46.बादला,जरबाफ–4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार–2
3.जगत,दुनिया–3
4. सुनसान शांति,–4
5.आदत–4
6.साजन, बालम–3
7.क्रमबद्धता–2
8.मूर्ख,बेवकूफ–4
11.बुनाई करने वाला–4
13.कटि,मध्यांग–3
16.धार्मिक आज्ञा–3
18.पितामह–2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण –5
21.चलने का ढ़ंग–2
23.पिया,साजन–3
24.दया,रहम–3
26.बेमिसाल, अनूठा–4
27.स्वदेश,मातृभूमि–3
28.जनता,आम लोग –2
30.मैं का बहुवचन–2
31.अभिरुचि,तल्लीनता–3
32.जनता की राय–4
34.उपाधि,पदवी–4
35.देहरी,चौखट–4
38.कक्ष,रूम–3
40.बटाणा,काबुली–3
42.स्तर,परत–2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान–2

शब्द पहेली- 6283 का हल

	म	ल	म	ल			र	ह	न	
चा	य		हा		जा	सू	स		शा	म
दु			रा	श	न		म			न
का	र	गु	जा	री		का		दु	का	न
र		ना		फ	न	का	र		फि	
	चा	ह						भ	ला	
	ह		अ	च	क	न		वं		अ
क	त	रा		र्म		क	म	र	बं	द
म			ब		ला	ल	च			र
र	न		ल	की	र		ल		आ	क
	म	ज	मा			अ	ना	या	स	

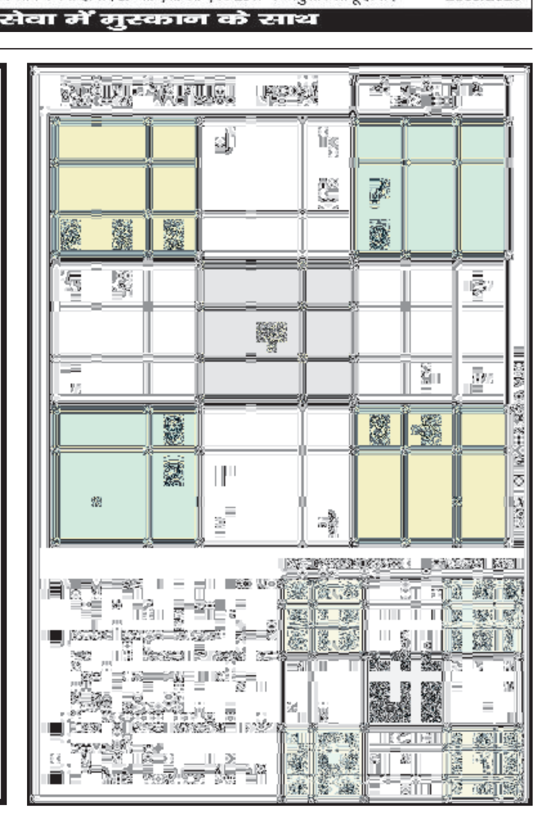

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

{ कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर }

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। *

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा।
निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट ना जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

{ लाइफस्टाइल
वीरेंद्र बहादुर सिंह }

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। *

{ कविता
कुलदीप सिंह भाटी }

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

{ व्यंग्य / पूनम पांडे }

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। *

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

आगामी 16 जुलाई से पुरी (ओडिशा) स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में विश्व प्रसिद्ध वार्षिक धार्मिक महोत्सव रथ यात्रा का आरंभ होगा। भारत की पावन धरती पर इसके अलावा भी कई राज्यों में जगन्नाथ मंदिर स्थित हैं। ये मंदिर भी अपनी अनूठी परंपराओं, भव्य स्थापत्य कला और आस्था के कारण श्रद्धालुओं के मन में विशेष स्थान रखते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

आस्था-परंपरा-विरासत के प्रतीक

भारत के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर

श्री जगन्नाथ मंदिर पुरी, ओडिशा

यह अपने देश में भगवान जगन्नाथ का मुख्य और सबसे पावन मंदिर है, जिसे सनातन धर्म के 'चार धामों' में से एक माना जाता है। इस भव्य मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव ने शुरू करवाया था। बाद में राजा अनंग भीमदेव ने इसे पूर्ण रूप दिया। पौराणिक कथाओं के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने इस मंदिर की काष्ठ प्रतिमाओं का निर्माण करवाया था। यह मंदिर कलिंग वास्तुकला शैली का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। 4 लाख वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में फैला यह मंदिर विशाल दीवारों (मेघनाद पचेरी) से घिरा है। मुख्य मंदिर का शिखर (विमान) 214 फीट ऊंचा है। इसके शीर्ष पर 'नीलचक्र' (अष्टधातु से निर्मित पहिया) और एक ध्वज स्थापित है। मंदिर के चार मुख्य द्वार हैं- सिंहद्वार, व्याघ्रद्वार, हस्तिद्वार और अश्वद्वार। जगन्नाथपुरी की वार्षिक रथयात्रा विश्व प्रसिद्ध है।

मान्यताएं-परंपराएं: मंदिर के शीर्ष पर लगा ध्वज हमेशा हवा की विपरीत दिशा में लहराता है। इसके मुख्य शिखर की परछाई दिन के किसी भी समय जमीन पर नहीं दिखाई देती। मंदिर के ऊपर से कोई भी पक्षी या विमान नहीं उड़ता। मंदिर के सिंहद्वार के अंदर कदम रखते ही समुद्र की लहरों की आवाज पूरी तरह गायब हो जाती है। यहां हर 8, 12 या 19 साल में मूर्तियों को बदलने की रस्म होती है, जिसे 'नवकलेवर' कहा जाता है। *

श्री जगन्नाथ मंदिर अहमदाबाद, गुजरात

यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा और लोकप्रिय जगन्नाथ मंदिर परिसर माना जाता है। लगभग 460 वर्ष पहले इस स्थान पर संत हनुमानदासजी ने एक छोटी कुटिया स्थापित की थी। उनके उत्तराधिकारी संत सारंगदासजी ने वहां भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की। सन् 1878 में महंत नरसिंहदास जी ने यहां पुरी की तर्ज पर रथयात्रा की शुरुआत की। यहां स्थापित मूर्तियां भी नीम की लकड़ी से बनी हैं। यह मंदिर पारंपरिक गुजराती और उत्तर भारतीय मंदिर शैली के मिश्रण से बना है।

मान्यताएं-परंपराएं: अहमदाबाद की रथयात्रा देश की दूसरी सबसे बड़ी रथयात्रा है, जिसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। इस यात्रा की शुरुआत गुजरात के मुख्यमंत्री द्वारा सोने के झाड़ू से रास्ता साफ करने की रस्म 'पहिंद विधि' से होती है। इस रथयात्रा में सजे-धजे हाथियों का काफिला सबसे आगे चलता है। यात्रा के दौरान 'सरसपुर' (भगवान का ननिहाल माना जाने वाला स्थान) में पूरे शहर के लोग मिलकर लाखों श्रद्धालुओं के लिए भोज का आयोजन करते हैं। *

श्री जगन्नाथ मंदिर हौज खास, नई दिल्ली

उत्तर भारत में उड़िया संस्कृति और आस्था का यह एक प्रमुख केंद्र है। दिल्ली में रहने वाले उड़िया समुदाय के प्रयासों से इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1968 में की गई थी, ताकि राजधानी में भी भगवान जगन्नाथ की नियमित पूजा हो सके। इस मंदिर का स्वरूप काफी हद तक पुरी के जगन्नाथ मंदिर की अनुकृति है। सफेद पत्थरों से बने इस मंदिर की नक्काशी में कलिंग स्थापत्य कला की झलक साफ दिखाई देती है।

मान्यताएं-परंपराएं: दिल्ली और एनसीआर के श्रद्धालुओं के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र है। आषाढ़ मास में यहां आयोजित होने वाली रथयात्रा में हजारों की संख्या में भक्त श्रद्धा और उत्साह से यह पर्व मनाते हैं। *

श्री जगन्नाथ मंदिर हैदराबाद, तेलंगाना

दक्षिण भारत में स्थित यह मंदिर अपनी आधुनिकता और अद्भुत नक्काशी के लिए जाना जाता है। हैदराबाद के बंजारा हिल्स क्षेत्र में स्थित इस मंदिर का निर्माण कलिंग सांस्कृतिक संघ द्वारा वर्ष 2006 में पूरा करवाया गया था। यह मंदिर लगभग 600 टन लाल बलुआ पत्थर से बना है, जिसे विशेष रूप से ओडिशा से लाया गया था। इसके मुख्य शिखर की ऊंचाई करीब 70 फीट है। मंदिर की दीवारों पर की गई पौराणिक नक्काशी बेहद आकर्षक है।

मान्यताएं-परंपराएं: स्थानीय लोगों के बीच यह मंदिर अपने शांत वातावरण और उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए बहुत लोकप्रिय है। यहां भी पुरी की परंपराओं के अनुसार ही सभी त्योहार और रथयात्रा पूरे उत्साह और आस्था से मनाए जाते हैं। *

जगन्नाथ मंदिर दीघा, पश्चिम बंगाल

यह भारत के सबसे नए और भव्य जगन्नाथ मंदिरों में से एक है। पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था और 30 अप्रैल 2025 को इसकी प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इस मंदिर को पूरी तरह से पुरी के जगन्नाथ मंदिर की भव्य प्रतिकृति के रूप में निर्मित किया गया है। मंदिर के निर्माण में राजस्थान से मंगवाए गए खास गुलाबी पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है।

मान्यताएं-महत्ता: समुद्र तट के किनारे स्थित होने के कारण, दीघा आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यह एक प्रमुख आध्यात्मिक और दर्शनीय स्थल बन चुका है। *

कई प्रसिद्ध व्यक्तियों ने हमें सिखाया

कठिन परिस्थितियों में भी मुस्कुराना

कर्तव्यों, संघर्षों और जिम्मेदारियों के बीच भी मुस्कान बनाए रखना, जीवन की बड़ी ताकत है। अतीत में कई प्रसिद्ध हस्तियों ने साबित किया कि हास्यबोध न केवल व्यक्तित्व को सहज बनाता है, बल्कि कठिनतम परिस्थितियों में भी उत्साह से जीने का संबल देता है।

प्रेरक
वीरेंद्र बहादुर सिंह

जिंदगी केवल गंभीर होकर कर्तव्यों के बोझ तले दबे रहने का नहीं, बल्कि हंसने-मुस्कुराने, खुश रहने और खुशियां बांटने का नाम है। इस बात की महत्ता को कई प्रसिद्ध हस्तियों ने न केवल समझा, बल्कि अपने जीवन में उसे अपनाया भी है। मिसाल के तौर पर अपने देश में गंभीर छवि वाले कई राजनेता ऐसे हुए हैं, जिनके भीतर हास्य का एक अनूठा बोध मौजूद रहता था। वे विषम परिस्थितियों में भी सहजता का दामन नहीं छोड़ते थे और हास्य के अवसर ढूंढ़ ही लेते थे।

महात्मा गांधी का हास्यबोध: महात्मा गांधी को हम ही नहीं पूरी दुनिया में सत्य, अहिंसा के सबसे बड़े पैरोकारों में से एक माना जाता है। देश और समाज के उत्थान, ब्रिटिश शासन से मुक्ति और सर्वधर्म समभाव स्थापित करने के लिए वे हमेशा चिंतनशील और प्रयासरत रहते थे। लेकिन जो लोग उनके करीब आते या उनके साथ रहने वाले लोग उनके विनोदी स्वभाव के भी मुरीद हो जाते थे।

गांधी जी के हास्य में कोई कड़वाहट, तंज या किसी का तिरस्कार करने का भाव कभी नहीं होता था, बल्कि उनका यह अंदाज भी उनके विचारों की तरह बिल्कुल स्पष्ट और निर्मल होता था। गांधी जी स्वयं कहा करते थे, 'अगर विनोदवृत्ति (हास्य का भाव) न होती, तो मैंने कब का आत्मघात कर लिया होता।' ईश्वर पर अटूट विश्वास और हर परिस्थिति में मुस्कुराने की कला ने ही उन्हें राष्ट्र के इतने बड़े संकटों और जिम्मेदारियों को निभाने का हौसला दिया।

उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग काफी चर्चित रहे हैं, जब वे गंभीर सवालों के जवाब भी मजाकिया अंदाज में देकर माहौल को हल्का-फुल्का बना देते थे। जैसा हम जानते हैं कि वे रेलवे से यात्रा करने के दौरान अधिकतर थर्ड क्लास के डिब्बे में ही बैठते थे। एक बार किसी पत्रकार ने उनसे पूछ लिया कि आप थर्ड क्लास के डिब्बे में ही रेल यात्रा क्यों करते हैं? इस पर गांधी जी मुस्कुराते हुए बोले, 'क्योंकि रेलवे में फोर्थ क्लास का कोई डिब्बा नहीं होता है।'

इसी तरह एक अन्य घटना वर्ष 1931 की है, जब वे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए लंदन गए थे। वहां उनकी मुलाकात ब्रिटेन के राजा जॉर्ज से हुई। उनसे मुलाकात के दौरान भी गांधी जी अपनी चिर-परिचित वेश भूषा यानी धोती पहन रखी थी और एक सफेद चादर से ऊपर का बदन ढंका था। जब वे जॉर्ज से मुलाकात कर लौटे तो एक पत्रकार ने उनसे पूछा, 'क्या राजा जॉर्ज के सामने आधे शरीर को ढंके हुए ऐसी वेश-भूषा पहनकर जाने का आपके मन में कोई पछतावा है?' इस सवाल पर गांधी जी हल्का सा मुस्कुराए फिर बोले, 'बिल्कुल पछतावा नहीं है क्योंकि राजा ने हम दोनों के हिस्से का परिधान पहन रखा था।' इस पर वहां उपस्थित सभी लोग हंस पड़े।

सहज रहकर हंसने-हंसाने का हुनर: पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी अपनी प्रखर राजनीतिक छवि के साथ ही मंच से लाखों की भीड़ को हंसाने का हुनर जानते थे। संसद में बहस के दौरान भी वे अकसर ऐसी बातें कह दिया करते थे, जिससे माहौल हल्का-फुल्का हो जाता और उपस्थित सदस्यगण ठहाका लगाने से खुद को रोक नहीं पाते थे। देश के एक और पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, जिन्हें आमतौर पर बहुत गंभीर स्वभाव का माना जाता था, वे भी आर. के. लक्ष्मण के कार्टूनों को देख कर खुलकर हंस पड़ते थे।

हास्य को माना सहज जीवन का मूलमंत्र: कहने की जरूरत नहीं कि यदि हम दुनिया की सारी चिंताओं की लकीरें अपने चेहरे पर समेट कर जिएंगे, तो जीना दूभर हो जाएगा। जिस इंसान को खुद पर और विपरीत परिस्थितियों पर हंसना आ गया, उसके लिए जिंदगी का सफर बेहद आसान हो जाता है। गंभीरता का मतलब उदासी नहीं है। बड़ी से बड़ी जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी अपने चेहरे की रौनक और होठों की मुस्कान को बचाए रखना ही असली जिंदगी है। हास्यबोध के साथ रहने वाले इन प्रसिद्ध हस्तियों ने हम सभी को यही जीवनसूत्र दिया है कि हर परिस्थिति में हंसना-मुस्कुराना हमें नहीं भूलना चाहिए। *

पहाड़ी इलाके के किसानों के लिए फायदेमंद है चिलगोजा

विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम

चिलगोजा यानी पाइन नट भारत के सबसे मूल्यवान पेड़ों में से एक है। यह एक सदाबहार शंकुधारी पेड़ है। इसकी ऊंचाई 15 से 25 मीटर तक होती है और यह आसानी से 100 साल या उससे भी अधिक तक जिंदा रहता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसका उत्पादन भले कम होता हो, लेकिन इसका बाजार मूल्य बहुत अधिक है। इसके बीज बहुत कीमती होते हैं। इसलिए अगर सही तरीके से इसका संरक्षण किया जाए, तो हिमालयी क्षेत्र के किसानों के लिए यह दीर्घकालिक आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन सकता है।

कहां पाया जाता है: हिमाचल प्रदेश का किन्नौर जिला भारत में चिलगोजा के उत्पादन का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में भी चिलगोजा के पेड़ खूब मिलते हैं। आमतौर पर यह पहाड़ी पेड़ 1800 से 3300 मीटर की ऊंचाई वाले इलाकों में पाया जाता है। इसके लिए ठंडी और शुष्क पर्वतीय जलवायु उपयुक्त होती है। पथरीली और ढालदार भूमि तथा कम वर्षा चिलगोजा के पेड़ के लिए बेहद उपयुक्त है।

किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ: चिलगोजा के बीज या चिलगोजा की गिरी 4000 से 8000 रुपए प्रतिकिलो तक बिकती है। यह दुनिया का सबसे महंगा सूखा मेवा माना जाता है। पहाड़ी क्षेत्र में किसान कम से कम 10 किलोग्राम प्रति पेड़ सालाना चिलगोजा हासिल कर लेता है। इस हिसाब से किसानों को चिलगोजा की खेती से होने वाले आय का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

इसलिए होता है महंगा: चिलगोजा चीड़ के पेड़ का एक किस्म है। चीड़ के पेड़ तो दुनिया में बहुत जगह पाए जाते हैं, पर चिलगोजा वाली किस्म का चीड़ का पेड़ आमतौर पर भारत में ही मिलता है। इसका उत्पादन बहुत कम है, जबकि इसकी मांग देश-विदेश हर जगह बहुत ज्यादा है।

कठिन है इसकी खेती: इसके पेड़ को परिपक्व होने में कई वर्ष लग जाते हैं। इसका पेड़ तैयार भी हो जाए तो उसके शंकु बनने और परिपक्व होने में समय लगता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि प्राकृतिक रूप से चिलगोजा पाने के लिए अनुकूल जलवायु भी चाहिए होती है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

आज की तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता यानी मेंटल टफनेस से तय होती है। मेंटल टफनेस को निरंतर अभ्यास और अनुशासन से विकसित किया जा सकता है।

लाइफ में सक्सेस के लिए

जरूरी है मेंटल टफनेस

आज के दौर में अधिकांश लोगों के जीवन में तनाव, अकेलापन, अवसाद और असफलता जैसी परिस्थितियां आती ही रहती हैं। ऐसे में मानसिक रूप से मजबूत होना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि सफल होने के लिए एक आवश्यकता भी है। मेंटल टफनेस यानी मानसिक दृढ़ता कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि इसे निरंतर अभ्यास से विकसित किया जा सकता है।

क्या है मेंटल टफनेस: मेंटल टफनेस का मतलब भावनाओं को दबाना नहीं है। बल्कि यह हमें अपनी भावनाओं को समझने, उन पर नियंत्रण रखने और उन्हें अपने लक्ष्यों की दिशा में मोड़ने की स्किल है। यह एक 'सीखी हुई मनोवैज्ञानिक बढ़त' है, जिसे प्रयास और अनुशासन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। मेंटल टफनेस बढ़ाने के लिए कुछ आदतों और उपायों को आजमाना जरूरी है-

भावनाओं पर नियंत्रण: अपनी भावनाओं को महसूस करें। लेकिन भावनाओं के आधार पर गलत निर्णय लेने से बचें। जब आप डर या गुस्से में होते हैं, तो एक छोटा-सा ब्रेक लें और खुद से पूछें, 'क्या यह भावना मुझे मेरे लक्ष्य की ओर ले जा रही है?' भावनाओं को ऑब्जर्व करना सीखें, उनमें बहना नहीं।

पॉजिटिव सेल्फ टॉक: अपने मन में उठने वाले नकारात्मक विचारों को 'पकड़ें' और उन्हें सकारात्मक रूप से बदलें। उदाहरण के लिए, 'यह बहुत कठिन है' की जगह 'यह सीखने का एक मौका है' कहें।

बनाए रखें अनुशासन: जब आप थके हों या काम करने का मन न हो, तब भी योजना के अनुसार काम करना ही मानसिक मजबूती की असली परीक्षा है। अनुशासन आपको उस समय भी सक्रिय रखता है, जब ऊर्जा खत्म हो चुकी होती है।

असहजता को स्वीकारें: हमारा दिमाग हमेशा सुरक्षा और आराम ढूंढ़ता है। लेकिन विकास हमेशा 'कंफर्ट जोन' के बाहर होता है। जान-बूझकर छोटी-छोटी असहज चीजें करें, जैसे- पब्लिक स्पीकिंग करना या किसी कठिन प्रोजेक्ट को एक्सेप्ट करना।

ग्रोथ माइंडसेट: अपनी विफलता का विश्लेषण करें। यह न सोचें कि 'मैं हार गया', बल्कि यह सोचें कि 'अगली बार बेहतर करने के लिए मुझे क्या बदलना होगा?' हर गलती एक डेटा है जो आपको सुधार की ओर ले जाती है।

अपने टार्गेट के साथ करें विजुअलाइजेशन: केवल बड़े सपने देखना काफी नहीं है। इसके साथ ही 'विजुअलाइजेशन' का उपयोग करें- आंखें बंद करके खुद को उस चुनौती का सामना करते हुए और अंततः सफल होते हुए देखें। यह अभ्यास आपके मस्तिष्क के न्यूरल पाथवे को सफलता के लिए तैयार करता है।

सब्र और त्याग: मानसिक मजबूती का अर्थ है कि आज के छोटे सुख को कल के बड़े लक्ष्य के लिए त्याग देना। अगर आप अपने आवेगों (जैसे सोशल मीडिया देखना या जंक फूड खाना) को रोक सकते हैं, तो आप अपने जीवन की बड़ी जंग जीत सकते हैं।

री सेट रूटीन: असफलता, खराब प्रदर्शन या गलती के बाद अकसर लोग आत्म-ग्लानि में डूब जाते हैं। मनोविज्ञानी जीवन में 'री-सेट बटन' रखने की सलाह देते हैं। जैसे ही कोई गलती हो, एक गहरी सांस लें, अपनी गलती स्वीकारें और तुरंत वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें। *

सिने-इंपैक्ट
डी. जे. नंदन

यंगस्टर्स ने खूब किया फॉलो

एक्टर्स का हेयर स्टाइल

कई बॉलीवुड एक्टर्स, सिर्फ अपनी एक्टिंग से ही नहीं बल्कि अनोखे हेयर स्टाइल से भी अपने दौर के यंगस्टर्स को दीवाना बनाते रहे हैं। पुराने दौर से शुरू हुआ डिफरेंट हेयर स्टाइल रखने का क्रेज आज भी बरकरार है और यंगस्टर्स बड़े चाव से उसे फॉलो करते रहे हैं। एक्टर्स की हेयर स्टाइल पर एक नजर।

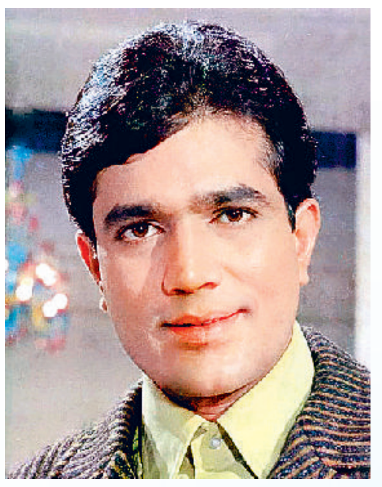

एक्टिंग, डायलॉग डिलीवरी, डांसिंग स्किल और पर्सनालिटी तो एक्टर को पॉपुलर बनाने में मायने रखते ही हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ एक्टर्स का हेयर स्टाइल भी उनकी पहचान और स्टाइल स्टेटमेंट बनता रहा है। कुछ एक्टर्स के हेयर स्टाइल तो इतने पॉपुलर हो गए कि उनके फैंस हेयर सैलूंस में उस एक्टर का नाम लेकर उसी की तरह की हेयर कटिंग कराने की डिमांड करने लगे। कई सफल फिल्मी सितारों की लोकप्रियता में उनके हेयर स्टाइल ने बड़ी भूमिका निभाई। यह सही है कि बाल, किसी भी अभिनेता के व्यक्तित्व का फ्रेम होते हैं। दर्शक सबसे पहले एक्टर का चेहरा देखते हैं और चेहरे की पहली सीमा बालों से ही तय होती है। यही कारण है कि बॉलीवुड में हेयर स्टाइल केवल फैशन नहीं है, यह अभिनेताओं की ब्रांडिंग का मजबूत जरिया माना जाता रहा है।

देवानंद का पफ हेयर स्टाइल: देवानंद के पफ स्टाइल बाल ने एक दौर में हजारों-लाखों युवाओं को अपना हेयर स्टाइल बदलने को प्रेरित कर दिया था। 1950-60 के दशक में देवानंद की एक्टिंग के साथ-साथ उनके पफ हेयर स्टाइल की खूब चर्चा होती थी। माथे के ऊपर उभरे हुए बाल और गर्दन झुकाकर उनके बोलने का अंदाज, उनके चाहने वालों को दीवाना बना देता था। उस जमाने में लगभग हर कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स की पहली पसंद देवानंद स्टाइल का हेयर कट हुआ करता था।

राजेश खन्ना के लहराते बाल: 1968 से 1974 के बीच हेयर स्टाइल का जलवा राजेश खन्ना के खाते में रहा। उनकी मुस्कान, बोलती आंखें और साइड में झुके हुए लहरदार बालों ने युवाओं को उनका दीवाना बना दिया था। 'आराधना' और 'आनंद' जैसी फिल्मों से तो वह हेयर स्टाइल आइकन बन गए थे। इन फिल्मों में उनकी चार्मिंग पर्सनालिटी का जरूरी पार्ट उनका हेयर कट बन गया था। राजेश खन्ना की इमोशनल इमेज बनाने में उनके लहराते बालों वाली स्टाइल का बड़ा योगदान था। राजेश खन्ना के प्रशंसक उन दिनों कहा करते थे कि उनकी मुस्कान और उनके बाल दोनों ही दिल चुरा लेते हैं।

अमिताभ बच्चन का डिफरेंट हेयर स्टाइल: अमिताभ की बोलती आंखें, चेहरे पर आक्रोश और घने बालों का जादू कुछ इस तरह से चला कि 70 के दशक में 'जंजीर', 'दीवार', 'त्रिशूल' के अमिताभ की तस्वीरें हेयर-सैलूंस में सबसे ज्यादा दिखने लगीं। उस दौर के बेशुमार युवा उनके जैसा हेयर स्टाइल रखने लगे थे। घने बाल, लंबे साइडबर्न्स और माथे पर गिरती लटें, सिर्फ उनकी विद्रोही छवि ही नहीं बनाती थीं बल्कि उन्हें भीड़ में बिल्कुल अलग व्यक्तित्व प्रदान करती थी। उनके बालों ने उनके चेहरे को, और अधिक इंटेंस गेटअप प्रदान किया। इसीलिए उस दौर के युवाओं में साइडबर्न्स रखने का क्रेज खूब दिखता था।

मिथुन चक्रवर्ती के घुंघराले-लहराते बाल: 80 के दशक में यंगस्टर्स में मिथुन चक्रवर्ती की हेयरस्टाइल का क्रेज बहुत बढ़ गया। फिल्म 'डिस्को डांसर' में उनके घुंघराले और बाउंसी बाल रातों-रात युवाओं के दिलों पर छा गए। डांस करते समय उनके बालों की हरकत उनके प्रदर्शन का हिस्सा लगती थी। बड़े ही नहीं छोटे शहरों और कस्बों के भी युवाओं ने मिथुन चक्रवर्ती के स्टाइल वाले बाल रखने शुरू कर दिए थे। यही नहीं उन दिनों कई यंगस्टर्स तो अपने सीधे बालों को भी घुंघराले बनवाने लगे थे ताकि वे अपने फेवरेट हीरो जैसे दिखें।

शाहरुख खान के बिखरे बाल: शाहरुख की रोमांटिक इमेज बनाने में उनके बालों का भी अहम रोल रहा। 90 के दशक में शाहरुख खान ने रोमांटिक हीरो की परिभाषा बदल दी। 'दिल वाले दुल्हनियां ले जाएंगे', 'दिल तो पागल है' और 'कुछ कुछ होता है' के शाहरुख को याद करें। उनके हल्के बिखरे हुए और बीच से बंटे हुए बाल उनकी पर्सनालिटी की सहजता और युवावस्था का पर्याय बन गए थे। उनकी हेयर स्टाइल, उनके पहले के तमाम पारंपरिक नायकों से अलग थी, इसीलिए लंबे समय तक उनकी हेयर स्टाइल का जादू युवाओं के मन पर छाया रहा।

सलमान खान की टिपिकल हेयर स्टाइल: साल 2000 के शुरुआती दशक में सलमान खान की फिल्म 'तेरे नाम' आई थी। इस फिल्म में सलमान ने बहुत अलग तरह की हेयर स्टाइल रखी थी। लेकिन युवाओं को यह इतनी पसंद आई कि बड़ी संख्या में उनकी हेयर स्टाइल को कॉपी किया जाने लगा। सलमान के इस हेयर-स्टाइल का इतना क्रेज हो गया था कि इसे 'तेरे नाम हेयर स्टाइल' के नाम से ही जाना जाने लगा।

ऋतिक रोशन के लेयर्ड-स्टाइलिश बाल: ऋतिक रोशन के लेयर्ड और स्टाइलिश बालों ने भी भारतीय युवाओं को उनका दीवाना बना दिया था। अनेक यंगस्टर्स ने उनकी जैसी हेयर स्टाइल को खूब फॉलो किया। *

ममता बनर्जी को फिर लगा बड़ा झटका

दीदी के भरोसेमंद नेता अनुब्रत मंडल बागी खेमे में शामिल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहा अंदरूनी संकट और गहरा हो गया है। बीरभूम के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल ने ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया है। वह अब ऋतब्रत बनर्जी के खेमे में शामिल हो गए हैं। ऋतब्रत गुट ने उन्हें बीरभूम का नया जिला अध्यक्ष बनाया है। इस फैसले को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक बहुत बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस के ऋतब्रत बनर्जी वाले गुट ने अपनी जिला कमेटी और अध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी है। इस घोषणा में सबसे हैरान करने वाला नाम अनुब्रत मंडल का है।

ऋतब्रत बनर्जी ने किया जिला समिति का ऐलान

- अनुब्रत को बीरभूम का अध्यक्ष बनाया

बीरभूम के मजबूत नेता अनुब्रत मंडल अब आधिकारिक रूप से ऋतब्रत बनर्जी के खेमे में आ गए हैं। प्रसून बंद्योपाध्याय को इस नए गुट का मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। स्नेहाशीष चक्रवर्ती, अखरुज्जामन, शांतनु सेन, सुदीप राहा, कोहिनूर मजूमदार, संदीपान साहा और अपूर्व सरकार को प्रवक्ता बनाया गया है। दक्षिण कोलकाता में देबाशीष कुमार और उत्तर कोलकाता में संदीपान साहा को कमान सौंपी गई है। पार्टी के इस विभाजन और नए पदाधिकारियों की घोषणा से ममता बनर्जी की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं।

बंगाल के पूर्व मंत्री बोस ने 'घोटाले' का पैसा रेस्तरां में लगाया : ईडी

नई दिल्ली (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस नेता सुजीत बोस के खिलाफ दाखिल किए गए ताजा आरोपपत्र में दावा किया है कि उन्होंने कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले से प्राप्त अवैध धन अपने चीनी रेस्तरां और अन्य आतिथ्य कारोबार में लगाया। ईडी ने मई में सुजीत बोस को गिरफ्तार किया था। वह अभी कोलकाता की जेल में बंद हैं। शनिवार को एक बयान में, संघीय एजेंसी ने कहा कि उसने 9 जुलाई को कोलकाता की एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन रोकथाम अधिनियम) अदालत में बोस (जो अग्निशमन और आपात सेवा विभाग के पूर्व मंत्री हैं), उनके बेटे समुद्र बोस, आईएएस अधिकारी और स्थानीय निकायों के पूर्व निदेशक ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

राज्य में पार्टी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को लेकर राजनीति जारी

पंजाब कांग्रेस में नहीं थम रही कलह बागी गुट की बैठक में गर्मागर्मी दिखी

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में बगावत के बीच एआईसीसी के राज्य प्रभारी भूपेश बघेल ने शनिवार को चंडीगढ़ में बागी गुट से करीब दो घंटे तक बैठक की। इसमें माहौल गर्माया रहा। 3 सांसदों व 9 विधायकों वाले बागी गुट ने साफ कर दिया कि वह मौजूदा कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के अगुआई में काम नहीं कर सकते। इस दौरान पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने कहा कि कांग्रेस के हित में राजा वड़िग को प्रधान पद से इस्तीफा देना चाहिए। इसी तरह सांसद सुखजिंदर रंधावा ने तो सीधे कह दिया कि हमें कांग्रेस को डुबोने वाला प्रधान नहीं चाहिए। हमें ठोककर बोलने वाला प्रधान चाहिए। इसके अलावा सभी नेताओं ने राजा वड़िग की कारगुजारी को लेकर जमकर सवाल खड़े किए। इस दौरान बघेल उन्हें समझाते रहे कि सारी बातें हाईकमान तक पहुंचाएंगे। माहौल देख नेता विपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि हाईकमान को उनके नई नियुक्ति वाले फैसले की समीक्षा करनी चाहिए।

बैठक में बघेल देरी से पहुंचे

विधायक प्रगट सिंह ने प्रभारी भूपेश बघेल को लेकर कहा इंटरव्यू देने के बजाय कांग्रेस को बचाना चाहिए। इसके बाद बघेल बाहर निकले तो उन्होंने कहा कि मैं सारी रिपोर्ट हाईकमान को दूंगा। जो जीतने लायक है, उसके टिकट दी जाएगी। बघेल ने यह भी कहा कि कोई भी ये न सोचे कि उसके सिर पर किसी का हाथ नहीं है। मैं उसके साथ हूं। बघेल बागियों की बैठक में सवा घंटे लेट आए और उससे पहले वह कांग्रेस प्रधान राजा वड़िग से मिले। यही नहीं, उनके खिलाफ शिकायतें सुनने के बाद मीटिंग खत्म कर वड़िंग की गाड़ी में एयरपोर्ट निकल गए।

- चन्नी बोले- राजा वड़िग कुर्सी छोड़ें
- रिपोर्ट हाईकमान को दूंगा : बघेल

पार्टी में फैसले वापस लेने पड़ते हैं: सुखजिंदर रंधावा

बैठक से बाहर आकर सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि हमने बघेल को कहा कि कांग्रेस को मजबूत करना है। नीचे वर्कर की जो भावनाएं हैं, जो आशंकाएं हैं, उसके बारे में बड़ी खुलकर बात की। वर्करों में यह है कि हमें वह काम करना है, जिससे पंजाब में कांग्रेस को आगे लाया जाए। उनसे बड़े अच्छे तरीके से बातचीत हुई है। हमने साथ ही यह भी कहा कि कई बार पार्टी में फैसले वापस भी लेने पड़ते हैं। हमने उन्हें कहा कि हमारी हाईकमान के सामने एक मांग रख दें कि यह जो लीडरशिप बैठी है, वह चाहती है कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बने।

खबर संक्षेप

गाजियाबाद में धू-धूकर जली चलती स्कूल बस

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के शहर गाजियाबाद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। नंदग्राम तिराहे के पास गाजियाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल की एक स्कूल बस आग की चपेट में आ गई। कुछ ही मिनटों में बस आग के गोले में बदल गई। गनीमत यह रही हादसे के वक्त बस में कोई स्टूडेंट नहीं था। इस दौरान ड्राइवर भी सुरक्षित निकल आया था।

मोदी डिस्टिलरी में स्प्रिट भंडारण इकाई में आग

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टिलरी में शनिवार दोपहर स्प्रिट भंडारण इकाई में भीषण आग लगने से फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और स्प्रिट से जुड़े दो कंटेनरों के फटने की सूचना सामने आई। हादसे के समय फैक्ट्री में 1500 से 2000 कर्मचारी मौजूद थे। हताहत की खबर नहीं है।

अरवल में डंपर-ऑटो-रिक्शा भिड़े, 4 की मौत

पटना। बिहार के अरवल जिले में शनिवार को एक डंपर ट्रक और ऑटोरिक्शा की भिड़त में 4 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर फतेहपुर संडा के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे ऑटोरिक्शा की डंपर ट्रक से भिड़त हो गई। टक्कर में ऑटोरिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया।

ठगी करने वाले कॉल सेंटर से 5 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी की थी। मौके से 5 फोन, 3लैपटॉप, 6चेक बुक, 160 कॉलिंग डाटा शीट, बिलिंग बुक और इंटरनेट राउटर सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

दतिया सीट पर प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर झांसी हाईवे जाम

मप्र में नरोत्तम का टिकट कटने पर भड़की हिंसा, एसपी समेत 8 गंभीर

नरोत्तम का टिकट कटने के बाद दतिया में रात भर और शनिवार दोपहर तक समर्थकों ने बवाल काटा, भाजपा दफ्तर को बंधक बना लिया। हाईवे जाम किया और पथराव इतना किया कि कई पुलिस अफसर घायल हो गए, दिल्ली तक इस उपद्रव की गूंज पहुंच गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मप्र की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को तगड़ा झटका देते हुए आशुतोष तिवारी को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों में भारी नाराजगी फैल गई है। पार्टी के फैसले के विरोध में भाजपा संगठन व पार्षदों में जहां इस्तीफों की झड़ी लग गई है, वहीं प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने हाईवे जाम करने से लेकर बाजार बंद कराने जैसे कदम भी उठाए हैं।

गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने झांसी हाईवे पर चक्का जाम कर दिया, जिससे 25 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे हुए पथराव में एसपी, एसडीओपी और आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भाजपा के 17 नेताओं के खिलाफ एफआईआर

शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे दतिया में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी। साथ ही 5 या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है। कोतवाली पुलिस ने 17 भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ऐहतियातन दतिया स्थित भाजपा कार्यालय में करीब 250 कार्यकर्ताओं को अंदर ही रोक दिया गया है। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे इलाके की निगरानी की गई, ताकि स्थिति दोबारा न बिगड़े।

नरोत्तम को बुलाकर समझाया, तेवर ठंडे

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दतिया से टिकट कटने के बाद मचे बवाल पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व को संदेश दिया है कि नरोत्तम को तलब कर समझाया जाए। उन्हें बता दिया जाए कि इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश मिलने के बाद नरोत्तम पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं ने उनसे बात कर नेतृत्व की मंशा बताई।

पूर्व मंत्री की समर्थकों से अपील असहमति इस तरह न जताएं

टिकट कटने के बाद पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सीएम हाउस पहुंचे। मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में हाई लेवल मीटिंग की। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को भी मुख्यमंत्री निवास बुलाया गया है। इसके पहले नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पार्टी के किसी बड़े नेता का उन्हें फोन नहीं आया। पार्टी ने जो निर्णय लिया है, उसका मैं सम्मान करता हूं। नाराज कार्यकर्ताओं को मना लिया जाएगा। सभी मिलकर काम करेंगे। साथ ही समर्थकों से अपील की इस तरह से अपनी असहमति न जताएं।

नरोत्तम मिश्रा के मार्गदर्शन में लड़ेंगे चुनावः हेमंत खंडेलवाल

दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के बाद सामने आए इस्तीफों पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ कार्यकर्ताओं के इस्तीफे की जानकारी सामने आई है, लेकिन प्रदेश संगठन के पास किसी भी कार्यकर्ता का इस्तीफा नहीं पहुंचा है। हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी संगठन ने तय किया है कि किसी भी कार्यकर्ता का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा। भाजपा दतिया उपचुनाव नरोत्तम मिश्रा के मार्गदर्शन में पूरी ताकत के साथ लड़ेगी।

अवैध संबंधों के शक में वारदात

पंजाब में गर्भवती पत्नी की हत्या,पेट में जुड़वा बच्चे मरे

एजेंसी ▶▶| मानसा

- मानसा में मायके पहुंचा पति
- बात करने के बहाने बुलाया
- बाथरूम में गला काटा डाला

पंजाब के मानसा के ठूठियांवाली गांव में एक गर्भवती महिला की हत्या कर दी गई। आरोप है कि पति ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या की। मृतका के गर्भ में जुड़वा बच्चे भी थे, जिससे उनकी भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ठूठियांवाली गांव की 22 वर्षीय सिमरजीत कौर ने बुर्ज राठी गांव के एक युवक से प्रेम विवाह किया था। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से उनके आनंद कारज भी संपन्न हुए थे। डिलेवरी के लिए सिमरजीत कौर अपने मायके आई हुई थीं। मृतका के चाचा मेवा सिंह और चचेरे भाई मनदीप सिंह ने बताया कि सिमरजीत कौर के पति को उस पर अवैध संबंधों का शक था। इसी शक के चलते वह शुक्रवार रात अपने ससुराल पहुंचा। उसने सिमरजीत कौर को कमरे से बाहर बुलाया और उसके गले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पंजाब की इन्फ्लुएंसर 'भाभी...' निहंग पर भड़की बोलीं-हमने कोई कत्ल नहीं किया, बेल मिल गई

लुधियाना में चटनी चटाने व अंग दिखाने पर दर्ज की गई थी एफआईआर

लुधियाना। पंजाब की इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर भाभी चुम्मेवाली उर्फ रंजीत कौर ने निहंग द्वारा एफआईआरकराने के बाद उन्हें चैलेंज किया है। रंजीत ने नया वीडियो जारी कर कहा- मुझे कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। मेरे फरार होने की बात कोई साबित कर दे। इशारों-इशारों में निहंग पर तंज भी कसा। वीडियो में रंजीत कौर अपने पति के साथ आईं। उनके पति ने हाथ में कागजात लिए होते हैं और उसे दिखाते हुए रंजीत कहती हैं- लोग बोल रहे थे कि मैं घर पर ताला लगाकर फरार हो गई हूं, जबकि हकीकत यह है कि मैं चंडीगढ़ में शूटिंग के सिलसिले में गई थी। रंजीत कौर के खिलाफ लुधियाना में धार्मिक भावनाएं आहत करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें उनके पति जिंदा हंस को भी आरोपी बनाया गया था। केस निहंग ने दर्ज कराया था। आरोप है कि चुम्मेवाली भाभी इंस्टाग्राम पर अश्लील कंटेंट अपलोड करती हैं। अश्लील कपड़े पहनकर अपने अंग दिखाती है।

फिरोजाबाद कोर्ट ने सुनाया फैसला, 6 दिन में आरोपपत्र दाखिल किया था

बच्चे को पटककर मारने वाले को फांसी की सजा, 40 दिन में फैसला

एजेंसी ▶▶| फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में डेढ़ साल के मासूम आरव को पटक-पटककर बेरहमी से मारने वाले विराज उर्फ जीतेंद्र पाठक को स्थानीय कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। शिकोहाबाद में 30 मई को हुई वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया। पुलिस ने जांच पूरी कर 6 दिन में आरोपपत्र दाखिल किया और कोर्ट ने 40 दिन में फैसला सुना दिया। फैसला सुनते ही दोषी रो पड़ा और सिर पीटने लगा। यादव कॉलोनी में वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी विराज फरार था, जिसे पुलिस ने 6 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे दोनों पैर में गोली मारकर पकड़ा था। वीडियो में वह आरव को 8 बार पटकते हुए देखा गया, जो महत्वपूर्ण सबूत साबित हुआ। यह वीडियो बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े करने वाला है। शिकोहाबाद पुलिस ने 6 दिन में सभी 13 गवाहों के बयान, कैमरा फुटेज समेत अन्य साक्ष्य कोर्ट में जमा कर दिए थे।

रति से एकतरफा प्यार करता था विराज : बदायूं निवासी विराज रिश्ते में रति का फुफेरा देवर था। उसने रति के रिश्ते में अनबन देखकर कुछ दिन पहले शादी का प्रस्ताव रखा। रति ने बच्चे का हवाला देकर शादी से मना कर दिया, जिससे विराज काफी नाराज था। तभी उसने बच्चे को रास्ते से हटाने की सोची। 30 मई को वह यादव कॉलोनी पहुंचा और बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने गोद में उठा ले गया। उसने सड़क पर बच्चे की दिनदहाड़े पटक-पटककर जान ले ली।

पी विराज ने बच्चे को क्यों मारा?

फिरोजाबाद में बामई गांव की रहने वाली रति की 2024 में बदायू के सियाराम नगर निवासी सुनित से शादी हुई थी। उनका एक बेटा आरव था। ससुराल में अनबन के कारण रति 5 महीने से मायके में थी। रति अपनी मां और बेटे के साथ 30 मई को यादव कॉलोनी में रहने वाली अपनी मौसी पुष्पलता से मिलने आई थीं। उनको सड़क हादसे में चोट लगी थी। तभी रति के पति की बुआ का बेटा विराज भी वहां पहुंच गया।

एथेनॉल मिलाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल में 20% एथेनॉल (ई20) मिश्रण नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं के अधिकारों की बात की गई है। याचिका में कहा गया है कि ई20 पेट्रोलियम उपभोक्ताओं को जागरूक करने, ईंधन वितरण में नोजल पर इथेनॉल प्रतिशत प्रदर्शित करने और पुरानी गाड़ियों के लिए सादे पेट्रोल का विकल्प देने की भी मांग की गई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने दायर की है। इस याचिका में कहा गया है कि हर पेट्रोल पंप पर ईंधन के नोजल और रसीद (बिल) पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए कि ईंधन में कितने प्रतिशत एथेनॉल का मिश्रण किया गया है।

भारत की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची जारी

नीता अंबानी फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वुमन बनीं

एजेंसी ▶▶| मुम्बई

फॉर्च्यून इंडिया ने मुंबई में शनिवार को अपना 'मोस्ट पावरफुल वुमन 2026' इवेंट आयोजित किया। इस प्रतिष्ठित सम्मान की सूची में इस बार रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी पहले स्थान पर रहीं।

दूसरे स्थान पर एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा का नाम रहा, जबकि तीसरे स्थान पर अपोलो हॉस्पिटल्स से जुड़ी रेड्डी बहनों- शोभना कामिनेनी, संगीता रेड्डी, प्रीथा रेड्डी और सुनीता रेड्डी को जगह मिली। इन सभी महिलाओं ने अपने नेतृत्व और काम के दम पर अलग-अलग क्षेत्रों में मजबूत पहचान बनाई है।

करोड़ों लोगों की जिंदगी बदलने का मिला सम्मान

मुंबई में आयोजित समारोह में नीता अंबानी को देश की सबसे ताकतवर महिला का सम्मान मिला। इस प्रतिष्ठित सूची में उन्होंने पहला स्थान हासिल किया. इस कार्यक्रम में बिजनेस, हेल्थ, शिक्षा, उद्योग, पब्लिक पॉलिसी और एंटरटेनमेंट समेत कई क्षेत्रों में शानदार काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने के बाद नीता अंबानी ने कहा कि उनके लिए नेतृत्व का मतलब केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि दूसरों को भी आगे बढ़ने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि समाज में दया, संवेदनशीलता, समानता और सम्मान जैसी भावनाओं को बढ़ावा देना भी नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिलायंस फाउंडेशन अपनी विभिन्न सामाजिक पहलों के जरिए अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बना चुका है।

बारिश से कई राज्यों में तबाही, लोग परेशान, येलो अलर्ट जारी

चमोली में अस्पताल की दीवार गिरी, डॉक्टर की मौत

डॉ. नवीन चंद्र डिमरी मरम्मत कार्य का ले रहे थे जायजा

एजेंसी ▶▶| चमोली

जिले के नारायणबगड़ के सरकारी अस्पताल परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार शनिवार दोपहर भरभराकर गिर गई। इस दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ नवीन चंद्र डिमरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. रिया घिल्डियाल ने उनकी स्थिति चिंताजनक बताई थी। 25 जून को भारी बारिश के कारण बहकर आए मलबे से अस्पताल की बांउड्रीवाल क्षतिग्रस्त हो गई थी।शनिवार को क्षतिग्रस्त दीवार का मरम्मत कार्य किया जा रहा था। इस दौरान डॉ. डिमरी मरम्मत कार्य का जायजा ले रहे थे कि अचानक दीवार उनके उपर गिर पड़ी।

उत्तराखंड में 120 मार्ग बाधित

स्यानाचट्टी में 100 तीर्थयात्रियों ने रस्सी से रास्ता पार किया

उत्तराखंड के कई स्थानों पर24 घंटे के दौरान भारी बारिश से पहाड़ी क्षेत्रों में जगह-जगह हुए भूस्खलन से 3राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 120 मार्ग अवरूद्ध हो गए। उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में भारी मलबा आने से 2 दिन से बाधित यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 100 यात्रियों को रस्सी की सहायता से रास्ता पार कराया गया। स्यानाचट्टी में वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई। जवानों ने अत्यंत सावधानी एवं कुशलता से एक-एक कर सभी को सुरक्षित रास्ता पार कराया।

हिमाचल में भी मानसून का कहर

सैकड़ों सड़कें-बिजली ट्रांसफार्मर ठप, शिमला में भूस्खलन का खतरा, 2 गाड़ियां मलबे में दबीं

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार दो दिन हुई भारी बारिश से कई इलाकों में तबाही हुई है। जगह-जगह भूस्खलन से सैकड़ों सड़कें ठप हो गई हैं। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। प्रदेश में छोटी-बड़ी करीब 310 सड़कें बाधित हैं। करीब 400 बिजली ट्रांसफार्मर और 50 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं। मौसम विभाग ने कई भागों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। शिमला में लगातार 2दिन हुई भारी बारिश से जगह-जगह नुकसान हुआ है। संजौली कॉलेज के समीप बोथवेल में भारी भूस्खलन से कई मकानों को खतरा पैदा हो गया है। रझाणा में भूस्खलन की चपेट में आने से 2 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मिनी कुफ्टाधार में रास्ता ढह गया है। शांकली में भवन का एक हिस्सा गिर गया है। संजौली कॉलेज के समीप बोथवेल क्षेत्र में शनिवार तड़के करीब 4:00 बजे एक बार फिर भारी भूस्खलन हुआ है।

जालंधर में महिला को 100 मीटर तक कार से घसीटा

बाबा बनकर आए लुटेरे, गहने झपटे तो विंडो पर लटकी

एजेंसी ▶▶| जालंधर

- औंधे मुंह सड़क पर गिरी, घटना का वीडियो वायरल

जालंधर में बाबा का भेष धारण कर आए तीन लुटेरों ने दिनदहाड़े महिला को लूट लिया। पहले महिला को अपनी बातों में उलझाया और फिर उसकी कान की बाली छीन कर भाग गए। लुटेरे कार पर आए थे और सब्जी ले रही महिला से पता पूछने लगे। जैसे ही महिला रस्ता बताने लगी तो लुटेरे उसके गहनों की तारीफ करने लगे। तभी ड्राइवर सीट के साथ बैठा लूटेरा सीधा महिला का टॉप्स खींचने लगा। विरोध करने पर लुटेरे कार भगाने लगे। महिला कार पर ही लटक गई तो उसे करीब 100 मीटर तक कार से घिसटते ले गए। घटना में महिला के मुंह और सिर में चोट लगी। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। उधर, पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी में लाल रंग की ऑल्टो कार महिलाओं के पास रुकती है। तभी उसमें सवार आरोपी महिला से काफी देर बातचीत करता है। गहनों की तारीफ कर महिला को पास बुलाकर की वारदात की।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। *इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है किअनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

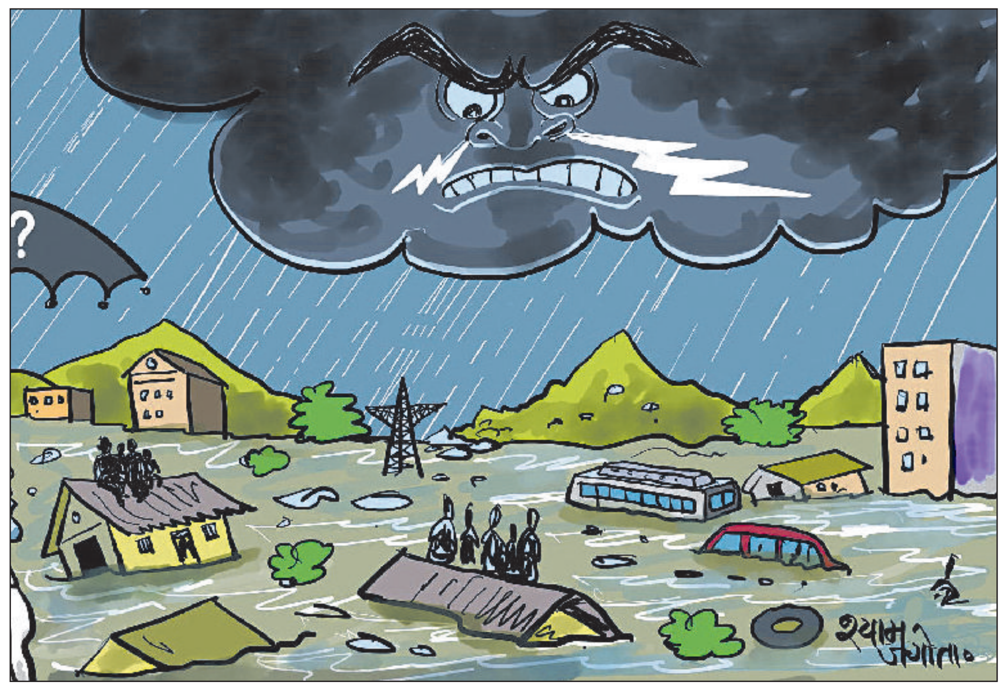

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है।

यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव ज़ोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन

विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून

चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है।

आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था।

स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

खबर संक्षेप

अनिमेष ने 100 मीटर दौड़ में हासिल किया दूसरा स्थान

वेटजलर। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल में निकाला गया उनका समय किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने मई में रांची में फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

महिला टेस्ट में इंग्लैंड पर भारत की पकड़ मजबूत

लंदन। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ के लाल गेंद क्रिकेट में पहले पांच विकेट के शानदार प्रदर्शन और स्मृति मंधाना के लगातार दूसरे अर्धशतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बना लिए थे और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई थी। मंधाना 124 गेंदों में 69 रन बनाकर नाबाद थीं और एक बार फिर भारतीय पारी की धुरी बनी रहीं। इससे पहले गौड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर पांच विकेट झटके, जिसकी मदद से भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी को 170 रन पर समेटकर 115 रन की बढ़त हासिल की थी। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने शुरुआत से ही जिम्मेदारी संभाली और भारत की बढ़त को मजबूत आधार दिया।

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सत्रह वर्षीय प्रिथिका ने छह बार 10 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

मुचोवा को हराकर नोस्कोवा बनी विम्बलडन चैंपियन

हमवतन कैरोलिना को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

लंदन। चेक गणराज्य की 21 वर्षीय लिंडा नोस्कोवा ने विम्बलडन में अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतकर देश की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। चेक गणराज्य के खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में नोस्कोवा ने दूसरे सेट में पांच मैच प्वाइंट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया। नोस्कोवा विम्बलडन के महिला एकल खिताब पर कब्जा जमाने वाली पिछले चार वर्षों में अपने देश की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले मार्केता वोंद्रौशोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजसिकोवा ने 2024 में यह उपलब्धि हासिल की थी। नोस्कोवा ने फाइनल में शुरुआत से दबदबा बनाते हुए पहला सेट आसानी से अपने नाम। दूसरे सेट में वह जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन मुचोवा ने हार नहीं मानी और पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। नोस्कोवा ने तीसरे सेट में धैर्य बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। दिलचस्प

बात यह है कि मुचोवा और नोस्कोवा ने 2024 पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर महिला युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। जहां यह जोड़ी सेमीफाइनल तक पहुंची थी। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उनका मुकाबला फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

बटलर और ब्रुक के तूफान में उड़ा भारत, इंग्लैंड ने 56 रन से हराया

इंग्लैंड ने 4-0 से जीती टी-20 श्रृंखला

भाषा ▶▶| साउथम्पटन

जोस बटलर ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाते हुए शानदार शतक जड़ा, जबकि कप्तान हैरी ब्रुक ने भविष्य के सितारे की तरह बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप पूरी कर ली। बटलर के 64 गेंदों में 131 रन और ब्रुक के 45 गेंदों में नाबाद 95 रन की बदौलत इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इस मुकाबले में पूरी तरह बेअसर नजर आया। बटलर और ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 233

रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारियों में शामिल हो गई। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने इस दौरे के सभी सात टी20 मुकाबलों में अपनी सबसे अच्छी बल्लेबाजी जरूर की, लेकिन जीत के लिए यह प्रयास काफी नहीं था। भारत की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन तक ही पहुंच सकी। इशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रन और आलोचनाओं का सामना कर रहे तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी पारियां टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सकीं। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 1601 दिनों से चला आ रहा शीर्ष स्थान का दबदबा भी समाप्त कर दिया। नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारत की यह सात मैचों में छठी हार (एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था) रही।

शॉटगन विश्व कप : नीरु ने बनाया 'परफेक्ट' स्कोर, बनाई बढ़त

लोनाटो। भारत की नीरु ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड के बाद 'परफेक्ट' स्कोर हासिल कर बढ़त बना ली है। मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन 26 वर्षीय नीरु ने लगातार तीन राउंड में 25-25 का 'परफेक्ट' स्कोर बनाकर 75 अंक हासिल किए। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 106 निशानेबाजों के बीच शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंदी अमेरिका की राहेल टोजियर और स्लोवाकिया की जुज़ाना रेहाक स्टेफेसेकोवा पर दो अंक की बढ़त हासिल कर रखी है। भारत के पुरुष ट्रैप निशानेबाजों के लिए पहला दिन निराशाजनक रहा और वे पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल अहवर रिजवी ने 75 में से 70 अंक हासिल किए और वह लगभग दो दर्जन निशानेबाजों के साथ 59वें स्थान पर हैं। शपथ भारद्वाज 68 का स्कोर बनाकर 103वें स्थान पर, जबकि अनुभवी काइनन चेनाई 67 का स्कोर बनाकर 208 निशानेबाजों में 19 अन्य खिलाड़ियों के साथ 117वें स्थान पर हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

हरियाणा की प्रिया ने जीता कांस्य, कुल 11 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चीन के ओर्डोस शहर में आयोजित हो रही पहली अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन तक भारतीय एथलेटिक्स टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 1 स्वर्ण, 2 रजत और 8 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक अपने नाम कर लिए हैं। इस वैश्विक मंच पर भिवानी की होनहार एथलीट प्रिया ने डिस्कस थ्रो इवेंट में देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। प्रिया ने 50 मीटर 44 सेंटीमीटर की बेहतरीन थ्रो फेंककर कांस्य पदक पर कब्जा किया और चीन की धरती पर भारतीय तिरंगा फहराया। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद ने बताया कि अंडर-23 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का यह पहला संस्करण है, जिसका आयोजन चीन के ओर्डोस में 9 जुलाई से 12 जुलाई तक किया जा रहा है। दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट के कुशल निर्देशन में भारतीय एथलेटिक्स का एक बड़ा दल इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहा है, जिसमें हरियाणा राज्य से भी 4 बेहतरीन एथलीट देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने भारतीय टीम के अन्य विजेताओं

की जानकारी देते हुए बताया कि प्रिया के अलावा देश के कई अन्य एथलीटों ने भी शानदार पोडियम फिनिश किया है। आस्तिक प्रधान, सैंड्रा मोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन की चौकड़ी ने 4 गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले रेस में देश को गोल्ड दिलाया। शिवाजी परशुराम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 10 किलोमीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। प्राची अंकुश देवकर (3 किमी स्टीपलचेज), अभय सिंह (200 मीटर दौड़), भरतप्रीत सिंह (पुरुष वर्ग डिस्कस थ्रो), हुईड्रोम (800 मीटर दौड़), शकील (पुरुष वर्ग 800 मीटर दौड़), श्रावणी सचिन (400 मीटर हर्डल) और विनोद सिंह ने (5000 मीटर दौड़) में कांस्य पदक जीते। इस शानदार सफलता पर दक्षिण एशिया एथलेटिक्स के अध्यक्ष डॉ. ललित के. भनोट, एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू, पूर्व महासचिव रविन्द्र चौधरी, पूर्व कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, एएफआई सदस्य राजकुमार मिटान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

डायमंड लीगः उपलब्धि हासिल करने वाले बने पहले भारतीय एथलीट

सर्वेश का धमाकेदार डेब्यू, ऊंची कूद में बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मोनाको

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया।

वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।

शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बने कुशारे

कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज़ एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा।

डोरोशचुक ने जीता खिताब

बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया।

खबर संक्षेप

टीवी एक्टर रोहित चंदेल पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार

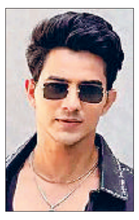

मुंबई। टीवी एक्टर रोहित चंदेल को 16 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, पीछा करने और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन पर पॉक्सो एक्ट समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। पंत नगर पुलिस ने शिकायत के बाद 10 जुलाई को एक्टर को दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

सूदखोरों से परेशान किसान ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

ग्वालियर। सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर मुरार निवासी किसान तिलक सिंह राणा ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शव दो टुकड़ों में बंट गया। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें जीजा-साले समेत तीन लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। तिलक सिंह ने कल्ला शर्मा नाम के व्यक्ति से 5 लाख रुपए उधार लिए थे।

महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

आपको जनता के बीच बेनकाब कर देंगे, सुनवाई में तेजी लाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने जमानत याचिका का विरोध करने, लेकिन आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी नहीं लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को जनता के बीच 'बेनकाब'' करने की चेतावनी दी। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ एक विदेशी नागरिक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हमारे पास हर दिन महाराष्ट्र से इस तरह के मामले आते हैं। आप जमानत का पुरजोर विरोध तो करते हैं, लेकिन मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाते। जब हम मामले की पड़ताल करते हैं, तो सबूत कमजोर निकलते हैं। हम जनता के बीच आपको (राज्य सरकार को) बेनकाब कर देंगे। अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वह 4 साल से जेल में है और उसका मामला निचली अदालत में 86 तारीखों पर सूचीबद्ध किया गया था। उसने शीर्ष अदालत को बताया कि उसे 53 बार अदालत में पेश नहीं किया गया।

हर हफ्ते 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं

पीठ ने कहा कि हर हफ्ते कम से कम 4 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं और इस आदेश का रिकॉर्ड मामले की सुनवाई कर रही अदालत के समक्ष रखा जाए। अगर भविष्य में ऐसे मामले सामने आते हैं, तो इसी तरह के कड़े आदेश दिए जाएंगे। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि राज्यों को सुनवाई में तेजी लाने के लिए एक खास नीति बनानी चाहिए।

निचली अदालत में पेश न करना बड़ी गलती

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से आरोपी को निचली अदालत में पेश न करना एक गंभीर गलती है। आरोपी के शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। चार साल में 34 में से केवल दो गवाहों से पूछताछ हुई। यह बात कुछ समय से इस न्यायालय को परेशान कर रही है। पीठ ने कहा कि जब राज्य सरकार जमानत याचिकाओं का पुरजोर विरोध करती है, तो उसकी यह जिम्मेदारी भी बनती है कि वह मुकदमे की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाए, लेकिन ऐसा करने में वह नाकाम रही है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील ने न्यायालय को बताया कि वह (राज्य सरकार) अब सुनवाई की हर तारीख पर सभी आरोपियों को मामले की सुनवाई कर रही अदालत में पेश कर रही है।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ताकत में होगा इजाफा

अमेरिका से खरीदेगा 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन सीमाओं और महासागर पर रखेंगे पैनी नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बल अपनी निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खरीद रहे हैं। इस रणनीतिक रक्षा सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 15 जबकि थल सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन सौंपे जाएंगे। लगभग 40 घंटे से अधिक की बेजोड़ उड़ान क्षमता और सैटेलाइट कनेक्टिविटी से लैस ये हाई-एल्टीट्यूड ड्रोन, मानवयुक्त विमानों की तुलना में अत्यधिक समय तक संवेदनशील सीमाओं और हिंद महासागर पर पैनी नजर रखने में सक्षम हैं।

एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

जल्द ही भारत में होंगे तैयार

भारत 3 बिलियन डॉलर से अधिक की लागत से इन ड्रोन्स की खरीद कर रहा है। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से हिंद महासागर और भारत की लंबी जमीनी सीमाओं की निगरानी के लिए किया जाएगा। भारतीय नौसेना वर्तमान में लीज पर लिए गए दो रीपर ड्रोन का पहले से ही संचालन कर रही है।

8 साल का अनुबंध

यह अनुबंध 8 साल या 1,50,000 उड़ान घंटों के लिए परफॉर्मेंस बेस्ड लॉजिस्टिक्स प्रदान करने वाली एक मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए है। इन अत्याधुनिक ड्रोन्स की डिलीवरी साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। ये ड्रोन एडवांस सेंसर सूट से लैस है। इसमें दिन, रात और थर्मल इमेजिंग के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्ट्रॉनिक पॉड और विभिन्न कार्यों के लिए ट्यून किए गए रडार लगे हैं। ये अपने साथ आठ एजीएम-114 हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें ले जा सकता है।

पाकिस्तान के पूर्व राजदूत का खुलासा

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के कहने पर नहीं आए पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

नई दिल्ली में काम कर चुके पाकिस्तान के पूर्व राजदूत अब्दुल बासित ने कहा है कि भारत के कहने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का दौरा टाल दिया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सारी बातें तय हो चुकी थीं कि वो भारत भी जाएंगे और पाकिस्तान की भी यात्रा करेंगे। लेकिन भारत ने इसपर एतराज कर दिया। इसके बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं आए। बासित ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी की जो शख्सियत है वो काफी दिलचस्प है और खासकर उस वक्त जब वो विदेश दौरा करते हैं तो काफी तैयारियां की जाती हैं। आगे कहा कि इंडोनेशिया का जहां तक ताल्लुक है, तो पारंपरिक तौर पर भारत और इंडोनेशिया के अच्छे तालुक्कात रहे हैं।

बहामास में छोटा विमान क्रैश, 10 लोगों की मौत

सैन जुआन। बहामास में शुक्रवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद सरकार ने विमानन कंपनी 'फ्लेमिंगो एअर' की उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह हादसा बहामास की राजधानी नासाउ के ठीक पश्चिम में स्थित नॉर्थ एंड्रोस में हुआ। विमान मायागुआना जा रहा था, तभी पायलट ने एक समस्या की सूचना दी और विमान को वापस नासाउ ले आया। विमान के उतरने और यात्रियों के बाहर निकलने के बाद उसमें आग लग गई। इस घटना की भी जांच की जा रही है।

पीओके नेताओं ने पाक पीएम को दिया अल्टीमेटम

मांगें मान लो, वरना 15 जुलाई को असेंबली से आजादी का करेंगे ऐलान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयंकर प्रदर्शन शुरू हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही 'जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) ने 15 जुलाई को पाकिस्तान की असेंबली से आजादी का ऐलान करने की बात कही है। स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान की सेना ने फौरन शहर खाली करने का अल्टीमेटम दिया है और ऐतिहासिक रूप से शांतिपूर्ण इलाके को 'टेरर ज़ोन' बताने की कोशिशों को सख्ती से खारिज किया है। पीओके में हालात तेजी से बिगड़ चुके हैं और हजारों लोग ईदगाह ग्राउंड पर मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के नेताओं ने विदेशी मीडिया को पाकिस्तानी सेना का अत्याचार देखने के लिए आमंत्रित किया है। पिछले दिनों एक प्रदर्शन के दौरान असीम मुनीर के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने निहत्थे लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इसमें 30 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पीओके के प्रदर्शनकारियों ने इसकी तुलना 'जालियावाला बाग' नरसंहार से की है। प्रदर्शनकारियों ने 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी 38-सूत्रीय आर्थिक और संवैधानिक मांगों को पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। वहीं स्थानीय प्रशासन ने प्रस्तावित मार्च के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी के लिए भारी हथियारों से लैस हजारों अतिरिक्त संघीय सुरक्षा बलों की मांग की है।

आलीराजपुर में 8-10 बदमाशों ने की वारदात

मध्यप्रदेश में डकैती के बाद महिला से गैंगरेप, एक किलो चांदी लूटी

चांदी की तलाश में घर की खुदाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आलीराजपुर

मध्यप्रदेश के जिले के बोरी क्षेत्र में शुक्रवार रात मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां 8 से 10 हथियारबंद बदमाशों ने एक विधवा महिला के घर में घुसकर न केवल लूटपाट की, बल्कि महिला को बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) भी किया। दरिंदगी की हदें पार करते हुए बदमाशों ने पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि बदमाशों को महिला के घर में 8 किलोग्राम चांदी होने का शक था। बंधक बनी डरी-सहमी महिला ने अपने पास रखी 1 किलोग्राम चांदी बदमाशों को सौंप दी, लेकिन वे बाकी चांदी की मांग पर अड़े रहे।

घर के कई हिस्सों में खुदाई कर डाली

चांदी की तलाश में बदमाशों ने पूरे घर का सामान बिखेर दिया और घर के भीतर तीन से चार जगहों पर खुदाई भी की। आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व कांग्रेस नेता महेश पटेल ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रशासन के सामने चार मांगें रखी हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, पीड़िता को आर्थिक व चिकित्सीय मदद देने और संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल हटाने की मांग की है।

उत्तरप्रदेश के हापुड का मामला: नजदीकी दुकान से मंगाई थी बोतल

सीलबंद पानी की बोतल में निकला तेजाब

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक सीलबंद पानी की बोतल में पानी की जगह कथित तौर पर तेजाब जैसा खतरनाक तरल पदार्थ निकला। इस पानी को पीते ही एक युवती की तबीयत बिगड़ गई। जिसे गंभीर हालत में मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवती पानी पीने के कुछ ही सेकंड बाद बेचैन होकर भागती दिख रही है। जानकारी के मुताबिक, अर्जुन नगर की रहने वाली रिया अपनी मां के साथ पास की एक सर्राफा दुकान पर जेवर खरीदने गई थी। प्यास लगने पर दुकानदार ने पास के एक जनरल स्टोर से ठंडी और सीलबंद पानी की बोतल मंगवाई। रिया ने जैसे ही बोतल खोलकर दो घूंट पानी पिया, उसे तेज जलन और उल्टियां होने लगीं। वहां मौजूद लोगों ने जब बोतल के पानी को फर्श पर फेंककर देखा, तो उसमें से तेजाब जैसी तेज गंध आने लगी और झाग बनने लगा।

रिया (पीड़िता)

बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी केस

एसआईटी खंगाल रही 3 साल का रिकॉर्ड, बैंक खातों पर नजर

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी?

एजेंसी ▶▶ देहरादून

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला गरमाता जा रहा है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) एक्शन मोड में आ गई है।

चमोली पुलिस ने पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एक मजबूत टीम तैनात की है, जिसमें बद्रीनाथ थानाध्यक्ष महादेव उनियाल और एसओजी के जवानों को शामिल किया गया है। जांच टीम मामले की वैज्ञानिक और कानूनी कसौटी पर हर एक कड़ी को जोड़ने में जुटी है। जांच अधिकारी सीओ मदन सिंह बिष्ट के अनुसार बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का विस्तृत रिकॉर्ड मांगा गया है।

पुलिस यह पता लगा रही है कि इस अवधि में कितना चढ़ावा आया, उसे कहां रखा गया और गणना की प्रक्रिया क्या थी। इसके अलावा, पिछले तीन साल में तैनात रहे और वर्तमान में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का विवरण भी तलब किया गया है ताकि जिम्मेदारियों का पता लगाया जा सके।

एसआईटी आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल की कॉल डिटेल, ईमेल और बैंक खातों की गहन जांच कर रही है। मामले की सबसे अहम कड़ी सीसीटीवी फुटेज को माना जा रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28